PRN: MCN/329/2025-2027
http://www.swarnimpradesh.in
http://epaper. swarnimpradesh.in
Email- swarnimpradesh@yahoo.com

दैनिक स्वर्णिम प्रदेश

संरक्षकः मां वैष्णों देवी

* वर्षः 08 * अंक : 191 * मुंबई, गुरुवार, 8 जनवरी 2026 * पेजः 6 * मूल्यः 2 रुपये * संपादकः सुनील कुमार तिवारी

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें

अगर आप अपने विशेष अवसरों को खास बनाना चाहते हैं या महत्वपूर्ण सूचनाओं को व्यापक जनता तक पहुँचाना चाहते हैं, तो दैनिक स्वर्णिम प्रदेश आपके लिए सही मंच है। चाहे जन्मदिन की बधाई हो, शादी की सालगिरह, गुमशुदगी की सूचना, कानूनी नोटिस या कोई अन्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक विज्ञापन, हम आपके संदेश को सही तरीके से पहुंचाने में मदद करेंगे। आपके विज्ञापन से समाचार पत्र को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, जो इसे और बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगी।
संपर्कः ईमेलःswarnimpradesh@yahoo.com
या वाट्सऐप नं. 8898271111

वैश्विक उथल-पुथल के बीच आत्मविश्वासी भारत

पीएम नरेंद्र मोदी ने इस्राइल के पीएम बेन्यामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की

संवाददाता

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय राजनीति इस समय तेज उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है और इसी हलचल के बीच भारत की कूटनीति पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। नई दिल्ली अब केवल घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने वाली राजधानी नहीं रही, बल्कि वैश्विक घटनाक्रमों की दिशा को प्रभावित करने वाली एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभर रही है। इस बदले हुए परिदृश्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत की विदेश नीति को नई धार दे रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने आज इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर विस्तृत चर्चा की। यह बातचीत केवल नववर्ष की औपचारिक शुभकामनाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ साझा संघर्ष, सुरक्षा सहयोग और रणनीतिक समन्वय को मजबूत करने का स्पष्ट संकेत मानी जा रही है। पश्चिम एशिया इस समय गंभीर तनाव से गुजर रहा है—गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल की सैन्य कार्रवाई जारी है और ईरान से जुड़ी अनिश्चितता पूरे क्षेत्र को अस्थिर बनाए हुए है। ऐसे संवेदनशील माहौल में मोदी-नेतन्याहू संवाद भारत की सजग, संतुलित और हित-केंद्रित विदेश नीति को रेखांकित करता है। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब भारत और अमेरिका के संबंधों में व्यापार और ऊर्जा जैसे मुद्दों पर मतभेद सामने आए हैं, इसके बावजूद भारत ने यह संदेश दिया है कि वह किसी एक शक्ति केंद्र पर निर्भर नहीं है। इजराइल के साथ मजबूत संवाद भारत की (**शेष पेज २ पर**)

मणिपुर हिंसाः सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सीएम बीरेन सिंह के 48 मिनट की रिकॉर्डिंग की फॉरेंसिक जांच के दिए आदेश

संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार, ७ जनवरी २०२६ को मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की २०२३ की जातीय हिंसा में कथित भूमिका से जुड़े पूरे ४८ मिनट के ऑडियो रिकॉर्डिंग की फॉरेंसिक जांच का आदेश दिया है। जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह निर्देश उस याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए, जो 'कुकी ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट' (ख्ध्ळें) ने दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने अदालत को बताया कि ऑडियो पहले ही उपलब्ध कराया जा चुका है और पूरी बातचीत का ट्रांसक्रिप्ट भी याचिका में शामिल है, जबकि राज्य सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि पूरी रिकॉर्डिंग उन्हें पिछली सुनवाई के बाद ही मिली। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने आदेश दिया कि संबंधित पूरे ४८ मिनट के ऑडियो, पूर्व मुख्यमंत्री की प्रमाणित वॉयस सैंपल रिकॉर्डिंग और याचिकाकर्ता द्वारा सौंपे गए सभी वॉयस क्लिप्स को नेशनल (**शेष पेज २ पर**)

2.17 करोड़ की ठगी मामले में काशीमीरा पुलिस ने मुख्य आरोपी को दबोचा

संवाददाता

मीरा-भायंदर। काशीमीरा पुलिस की क्राइम डिटेक्शन ब्रांच (यूनिट-१) ने एक सनसनीखेज फाइनेंशियल फ्रॉड मामले का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कर्नाटक के एक व्यापारी को निवेश का झांसा देकर मीरा-भायंदर बुलाया गया, फिर होटल के कमरों में तीन दिन तक अवैध रूप से बंधक बनाकर बंदूक और चाकू की नोक पर धमकाते हुए उसके बैंक खाते से २.१७ करोड़ रुपये से अधिक की रकम ट्रांसफर कर ली गई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित शमंतकुमार शादक शरप्पा कारडर (३१), निवासी शिमोगा जिला, कर्नाटक, को १५ दिसंबर २०२५ को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर खुद को 'अंकित' बताया और उसकी कंपनी में फाइनेंशियल निवेश करने की इच्छा जताई। इसी बहाने उसे मीरा रोड ईस्ट के काशीमीरा क्षेत्र में बुलाया गया। काशीमीरा पहुंचने पर आरोपी पीड़ित को पहले ए.आर. पैराडाइज होटल और बाद में आर.के. प्रीमियर होटल एंड लॉज ले गया, जहां १५ दिसंबर से १८ दिसंबर २०२५ के बीच उसे अलग-अलग कमरों में जबरन बंद रखा गया। इस दौरान आरोपी ने पिस्तौल दिखाकर और उसके साथी ने चाकू से धमकाकर पीड़ित से इंटरनेट बैंकिंग की पूरी जानकारी हासिल कर ली। इन जानकारियों का इस्तेमाल कर आरोपियों ने पीड़ित के एक्सिस बैंक करंट अकाउंट से बिना (**शेष पेज २ पर**)

उल्हासनगर को 'उन्नत उल्हासनगर' बनाने का संकल्प, कानून का राज और विकास की गारंटीः मुख्यमंत्री फडणवीस

संवाददाता

उल्हासनगर। राज्य में शुरू हुए महानगरपालिका चुनावों के प्रचार अभियान के तहत बुधवार शाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उल्हासनगर महानगरपालिका चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित भव्य जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश विभाजन की त्रासदी झेलकर सिंधी समाज ने उल्हासनगर में आकर बेहद कठिन परिस्थितियों में अपना आशियाना बसाया, लेकिन दुर्भाग्यवश अब तक की सरकारों ने इस शहर के समग्र विकास पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब उनकी सरकार का लक्ष्य उल्हासनगर को एक 'उन्नत उल्हासनगर' के रूप में विकसित करना है।

उन्होंने बिना किसी का नाम लिए यह भी कहा कि अब शहर में गुंडों का नहीं, बल्कि कानून का राज चलेगा और गुंडों से कैसे निपटना है, यह देवा भाऊ को अच्छी तरह आता है, यह सभी जानते हैं। सी-ब्लॉक परिसर स्थित सेंचुरी मैदान में आयोजित इस सभा में मुख्यमंत्री ने उल्हासनगर की सबसे बड़ी समस्या अवैध और जर्जर इमारतों की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि इनके पुनर्विकास के लिए सरकार जल्द ही एक नई नीति लेकर आ रही है, जिसके तहत नागरिकों को सुरक्षित, पक्के और बेहतर घर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि एमएमआर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी शहरों का विकास एमएमआरडीए के माध्यम से किया जा रहा है और इसी योजना के तहत उल्हासनगर में भी यातायात व्यवस्था में सुधार, जल समस्या का स्थायी समाधान और झोपड़पट्टीवासियों को पक्के घर देने का कार्य तेजी से किया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह भी स्पष्ट किया कि लाडली बहन योजना किसी भी परिस्थिति में बंद नहीं होगी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लखपति दीदी योजना को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब तक देशभर में ५० लाख गरीब महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं और अगले चार महीनों में इस संख्या को बढ़ाकर एक करोड़ करने का लक्ष्य रखा गया है। विकास कार्यों पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र (**शेष पेज २ पर**)

अमेरिका से निर्वासित होकर भारत लौटा वांटेड गैंगस्टर अमन भैंसवाल

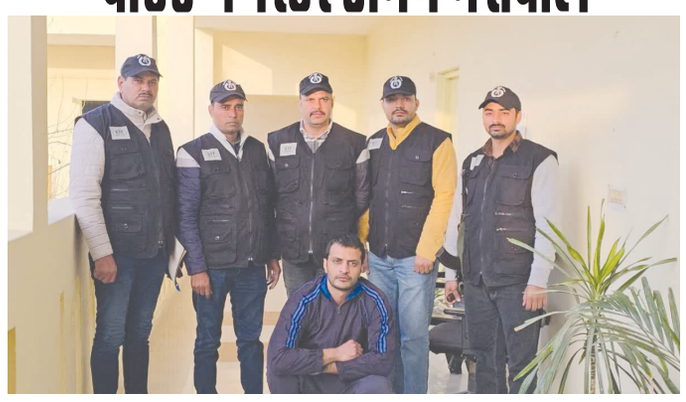

संवाददाता

पंचकूला, हरियाणा। हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संगठित अपराध के खिलाफ एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए वांटेड गैंगस्टर अमन कुमार उर्फ अमन भैंसवाल को अमेरिका से निर्वासित कर भारत वापस लाया है। पुलिस विभाग ने इसे अपराधियों के खिलाफ चल रहे आक्रामक अभियान की अहम कामयाबी बताया है। वर्ष २०२५ से अब तक एसटीएफ द्वारा किया गया यह छठा सफल डिपोर्टेशन है, जिससे हरियाणा पुलिस की अपराध-रोधी रणनीति को नई मजबूती मिली है। अमन भैंसवाल हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में फायरिंग, हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी और शस्त्र अधिनियम जैसे गंभीर मामलों में लंबे समय से सक्रिय रहा है और वह अपना खुद का आपराधिक गिरोह चलाता था, जिसका नेटवर्क सोनीपत, रोहतक, झज्जर से लेकर दिल्ली (**शेष पेज २ पर**)

सैलरी विवाद में जानलेवा हमला करने वाला आरोपी भारत-नेपाल सीमा से गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। खार पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए सैलरी विवाद के चलते अपने सहकर्मी पर जानलेवा हमला करने के बाद फरार हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान रामकिशन उर्फ कृष्णा के रूप में हुई है, जिसे भारत-नेपाल सीमा से देश से फरार होने की कोशिश के दौरान दबोचा गया। यह घटना २९ दिसंबर २०२५ की शाम खार (पश्चिम) स्थित १६वीं रोड पर ट्यूलिप बिल्डिंग में हुई थी, जहां शिकायतकर्ता हरिशंकर जांगिड़ और उसका भाई मनोज बढ़ई का काम कर रहे थे। मजदूरी का भुगतान न होने को लेकर हुए विवाद के बाद रामकिशन ने कथित तौर पर मनोज जांगिड़ पर धारदार हथियार से (**शेष पेज २ पर**)

बीएमसी चुनाव 2026 का शोरः वार्ड क्रमांक 94 में रश्मि रूपेश मालुसरे की जनसंवाद यात्रा

'विकास' का संदेश लेकर हर घर में पहुंच रही है 'आपकी रश्मि'

संवाददाता

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव २०२६ के तहत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-अजित पवार गुट) की ओर से वार्ड क्रमांक ९४ की अधिकृत उम्मीदवार रश्मि रूपेश मालुसरे ने बुधवार को व्यापक जनसंवाद यात्रा की शुरुआत की। यह यात्रा जय हनुमान मित्र मंडल मैदान (अनुयोग शाला परिसर) से प्रारंभ होकर स्वीट कॉर्नर परिसर, गुरुद्वारा क्षेत्र, सरस्वती पंजाबी चाळ, एकताई परिसर, आर्य सेवा कंपाउंड और गणेश कृपा सोसायटी सहित आसपास के इलाकों से होकर गुजरी। जनसंवाद यात्रा के दौरान रश्मि मालुसरे ने नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद साधते (**शेष पेज २ पर**)

झूठे आरोप लगाने वालों को खुली चुनौतीः सबूत हैं तो पुलिस-नारकोटिक्स में जाएं, गुमराह करने की साजिश होगी नाकामः रूपेश मालुसरे

रूपेश मालुसरे ने मतदाताओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग चुनाव के समय जानबूझकर उनके नेता का नाम ड्रग्स कारोबार से जोड़कर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। रूपेश मालुसरे ने स्पष्ट कहा- यदि किसी के पास ड्रग्स कारोबार से संबंधित कोई ठोस जानकारी या सबूत है, तो वह सीधे पुलिस या नारकोटिक्स विभाग में शिकायत करे। केवल बेबुनियाद आरोप लगाकर लोगों को भ्रमित करना कुछ लोगों की राजनीतिक साजिश है। उन्होंने आगे कहा कि जनता समझदार है, कौन क्या है यह सब जानती है और सच-झूठ में फर्क करना भी अच्छे से समझती है। इसलिए मतदाताओं को ऐसे भ्रामक प्रचार से सावधान रहना चाहिए और पूरी जागरूकता के साथ अपने मताधिकार का उपयोग करना चाहिए।

स्टार्टअप्स और आत्मनिर्भर भारत से वैश्विक मंच पर आगे बढ़ रहा भारतः राज्यपाल आचार्य देवव्रत

संवाददाता

मुंबई। भारत को वर्ष २०४७ तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और मूल्यवान है। देश के सर्वांगीण विकास के लिए युवाओं को अपने विचार, कर्म और नवाचार के माध्यम से आगे आना चाहिए तथा भारतीय संस्कृति, सभ्यता और नैतिक मूल्यों की विरासत को संजोते हुए विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देना चाहिए, ऐसा आवाहन राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने किया। राष्ट्रीय युवा महोत्सव- विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग २०२५-२६ की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राज्य से चयनित युवाओं से सह्याद्री अतिथिगृह में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद साधा। इस अवसर पर खेल विभाग के प्रधान सचिव संजय खंदारे, राज्यपाल के सचिव डॉ. प्रशांत नारनवरे, सह सचिव एस. राममूर्ति, खेल विभाग के उप सचिव सुनील पांढरे, सहायक संचालक मिलिंद दीक्षित, मुंबई विभाग की उप खेल संचालक सुवर्णा बारटक्के सहित संबंधित अधिकारी एवं राष्ट्रीय युवा महोत्सव के लिए चयनित विद्यार्थी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय युवा महोत्सव में सहभागिता राज्य के युवाओं के लिए गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी अवसर है तथा दिल्ली में आयोजित संवाद कार्यक्रम के लिए चयनित युवाओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि यह उपक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना से संचालित है और स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव को नया स्वरूप दिया गया है, जिसके अंतर्गत देशभर के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से चयनित तीन हजार मेधावी युवाओं को इस महोत्सव के जरिए सीधे प्रधानमंत्री से संवाद करने का अवसर मिलेगा। मेहनत, परिश्रम और गुणवत्ता के बल पर चयनित युवाओं की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह चयन विकसित राष्ट्र के निर्माण में उनकी भूमिका की स्वीकृति है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत युवाओं का देश है और युवाओं में देश के विकास को नई गति देने की अपार क्षमता है। भारत का विकास केवल आर्थिक या भौतिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कृति, परंपरा और नैतिक मूल्यों का (**शेष पेज २ पर**)

संपादकीय

आखिर ट्रंप को और अधिक कैसे खुश करें मोदी?

वेनेजुएला पर पूरी तैयारी कर हमला करके राष्ट्रपति दंपति को गिरफ्तार कर उन पर मुकदमा चलाने की कवायद कर रहे ट्रंप की नजर वेनेजुएला के कच्चे तेल पर है, जिसका सबसे बड़ा खरीददार चीन है। अब तेल पर ट्रंप कब्जा जमाना चाहते हैं। चीन इतनी दूर है कि वह ट्रंप के हमले का सार्थक प्रतिकार नहीं कर सकता। रूस यूक्रेन के साथ युद्ध में व्यस्त है। तीसरा कोई देश सार्थक विरोध करने का दुस्साहस नहीं कर सकता। वेनेजुएला पर कब्जा कर ब्रिक्स समूह के देश ब्राजील तक सीधी पहुंच बना लेगा। ग्रीनलैंड, कनाडा सहित पश्चिमी वर्ल्ड पर एकाधिकार की दिशा में बढ़ चुके ट्रंप, दक्षिण मध्य एशिया के राष्ट्र ईरान पर तमाम प्रतिबंध लगा चुके हैं, जिसमें एटॉमिक सेंटर पर हमला भी शामिल है। ईरान को तहस-नहस पहले ही किया जा चुका है। खाड़ी देशों पर अमेरिकी वर्चस्व है ही। यूरोपीय संगठन नाटो अमेरिका की हां में हां मिलता ही रहता है। ट्रंप वास्तव में पूर्व राष्ट्रपति मोनरो सिद्धांत लागू कर पश्चिमी जगत ही नहीं, मध्य पश्चिमी राष्ट्रों पर भी आधिपत्य स्थापित करना चाहते हैं। दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति ब्लॉडी पुतिन के राजनीतिक गुरु दुगीन ने दावा किया कि अब कोई अंतरराष्ट्रीय कानून रहा ही नहीं। अब अंतरराष्ट्रीय कानून बड़ी शक्तियों में जितने वाले लिखेंगे। उन्होंने पुतिन से यूक्रेन पर कब्जा करने की अपील की। रूस को मोनरो सिद्धांत लागू करने को कहा है, ताकि रूस समूचे यूरेशिया पर आधिपत्य जमाकर ही शक्तिशाली अमेरिका का मुकाबला किया जा सके, साथ ही ताकतवर विजेता होने के नाते अंतरराष्ट्रीय कानून लिखा जा सके। ट्रंप ईरान में चल रहे महंगाई जैसे मुद्दों पर आंदोलन करने वाले विद्रोह पर नजर बनाए हुए हैं। समूचे खाड़ी देशों में उथल-पुथल मची है। इसी बीच भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर यूएई यात्रा पर हैं, जहां ट्रेड, एनर्जी, डिफेंस और टेक्नोलॉजी का रोडमैप तय हुआ।

अमेरिका सिर्फ अपना व्यापारिक फायदा देखता है। अगर वह ईरान में उलझता है तो चीन-पाकिस्तान को रणनीतिक फायदा मिलेगा, जिससे भारत के ऊपर दोनों दिशाओं से दबाव बढ़ जाएगा। चीनी विदेश मंत्री ने अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर हमले को अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताते हुए इस संदर्भ में यूएनओ की तत्काल बैठक बुलाने की जरूरत बताई है। भारत का बयान बेहद नपा-तुला रहा है। ट्रंप पानी पी-पी कर भारत को कोसते रहते हैं। कहते हैं प्रधानमंत्री मोदी अच्छे आदमी हैं, लेकिन मोदी को चाहिए कि वे ट्रंप को और अधिक खुश करें। आखिर ट्रंप क्या चाहते हैं? एक तरफ भारत पर भारी टैरिफ लगाते हैं। पहले ईरान से तेल खरीदने पर प्रतिबंध लगाया, फिर रूस से सस्ता तेल लेने के कारण भारत पर कुल ५० प्रतिशत टैरिफ थोप दिया। भारत ने रूस से तेल खरीदना लगभग बंद ही कर अब अमेरिका से भारी मात्रा में तेल खरीदना मंजूर कर लिया। ऑपरेशन सिंदूर के समय ट्रंप ने दावा किया कि उसने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराया। पाकिस्तान ने चमचागिरी की हद करते हुए ट्रंप को नोबेल पुरस्कार देने की अपील तक कर डाली। मोदी ने एक बार भी ट्रंप को सीधा जवाब नहीं दिया कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। भारत ने सिर्फ इतना ही कहा कि सीजफायर में कोई मध्यस्थ नहीं था। मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ते हुए ट्रंप के लिए प्रचार करते हुए नारा लगाया, 'अब की बार ट्रंप सरकार!' ट्रंप ने यह भी कहा कि मोदी ने उन्हें खुश किया है, लेकिन और अधिक खुश करना होगा। उन्होंने भारत पर दबाव बनाने के लिए फिर से टैरिफ बढ़ाने की धमकी दे डाली है। आखिर ट्रंप मोदी से चाहते क्या हैं? मोदी ट्रंप को और अधिक खुश कैसे कर सकते हैं, यह क्यों नहीं बताते? भारत एक सार्वभौम राष्ट्र है। तेल खरीदी राजनीतिक हो गई है। भारत को अधिकार है कि वह अपनी गुटनिरपेक्ष नीति पर चलता रहे। तेल हो या कोई दूसरी टेक्नोलॉजी, भारत को आजादी है कि किसके साथ कैसा संबंध बनाकर रखे, किसके साथ कौन सा समझौता करे, जो भारत के हित में हो। मोदी की चुप्पी ने ट्रंप को बड़बोला बना दिया है, वरना बार-बार वह भारत को धमकी देने का दुस्साहस नहीं करते।

पेज 1 का शेष...

वैश्विक उथल-पुथल के...

रणनीतिक स्वायत्तता को रेखांकित करता है, जहां रक्षा तकनीक, खुफिया सहयोग और आतंकवाद-रोधी रणनीति में दोनों देशों की साझेदारी लंबे समय से गहरी रही है। उधर, भारत की कूटनीतिक गतिविधियां केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं हैं। अगले सप्ताह जर्मन चांसलर की प्रस्तावित भारत यात्रा यूरोप के साथ रिश्तों को और मजबूती देने वाली मानी जा रही है। जर्मनी, जो यूरोप की आर्थिक और राजनीतिक धुरी माना जाता है, उसके शीर्ष नेतृत्व की यह यात्रा यह संकेत देती है कि भारत वैश्विक शक्ति संतुलन में एक अनिवार्य साझेदार बन चुका है। व्यापार, तकनीक, जलवायु परिवर्तन और रक्षा सहयोग जैसे क्षेत्रों में यह यात्रा भारत के लिए नई संभावनाएं खोल सकती है। इसी बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर फ्रांस और लक्जमबर्ग की अहम यात्रा पर हैं, जो भारत की बहुस्तरीय और बहुआयामी कूटनीति का सशक्त उदाहरण है। फ्रांस भारत का पुराना रणनीतिक साझेदार है, जहां रक्षा, अंतरिक्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देशों के साझा हित हैं, वहीं लक्जमबर्ग जैसे छोटे लेकिन आर्थिक रूप से प्रभावशाली देश के साथ संवाद यह दर्शाता है कि भारत हर उस मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहा है, जहां उसके दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित सुरक्षित हो सकते हैं। इन तमाम घटनाक्रमों को एक साथ देखने पर स्पष्ट होता है कि भारत की विदेश नीति अब प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि पूर्व नियोजित, स्पष्ट और आक्रामक हो चुकी है। मोदी सरकार का मूल मंत्र साफ है—राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं और आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड स्वीकार नहीं। अमेरिका, यूरोप, पश्चिम एशिया और ग्लोबल साउथ—सभी के साथ संतुलित संवाद रखते हुए भारत अपनी स्वतंत्र पहचान को मजबूती से कायम रख रहा है। कुल मिलाकर, फोन पर हुई बातचीत, उच्चस्तरीय यात्राएं और निरंतर संवाद यह साबित करते हैं कि भारत आज वैश्विक मंच पर एक निर्णायक, भरोसेमंद और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है, और प्रधानमंत्री मोदी की सक्रिय कूटनीति ने देश की विदेश नीति को न केवल मजबूती दी है, बल्कि उसे एक स्पष्ट और दूरदर्शी दिशा भी प्रदान की है।

मणिपुर हिंसा: सुप्रीम कोर्ट...

फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफ़एसयू),गांधीनगर भेजा जाए। कोर्ट ने एनएफ़एसयू को जांच प्रक्रिया में तेजी लाने और अपनी अंतिम रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में जमा करने के निर्देश भी दिए। इससे पहले १५ दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया था कि जब पूरी टेप उपलब्ध थी तो केवल सीमित हिस्से को ही फॉरेंसिक जांच के लिए क्यों भेजा गया। अदालत कोहुर की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें इस मामले की स्वतंत्र एसआईटी जांच की मांग की गई है। उल्लेखनीय है कि ३ नवंबर को एनएफ़एसयू ने अपनी प्रारंभिक राय में कहा था कि लीक हुए ऑडियो क्लिप्स के साथ छेड़छाड़ की गई है। इसी पृष्ठ भूमि में, राज्य भाजपा के भीतर असंतोष और नेतृत्व परिवर्तन की मांगों के बीच एन. बीरेन सिंह ने ९ फरवरी२०२५ को मणिपुर के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

2.17 करोड़ की ठगी मामले...

उसकी सहमति के कुल २,१७,६३,२८७.०७ रुपये के अनधिकृत ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कर दिए। मामले की शिकायत पर काशीमीरा पुलिस ने २ जनवरी २०२६ को भारतीय न्याय संहिता २०२३ की धारा १०९, ११९(१), १२७(३), ३५१(३), ३(५) तथा आर्म्स एक्ट १९५९ की धारा ३ और २५ के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ने अपनी पहचान छिपाने के लिए यूनाइटेड किंगडम के इंटरनेशनल मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया था।

हालांकि, तकनीकी और स्किल-बेस्ड जांच के जरिए क्राइम डिटेक्शन ब्रांच ने मुख्य आरोपी अंकित बापू थोम्ब्रे (४०), निवासी मानपाड़ा, डोंबिवली ईस्ट, ठाणे, की पहचान कर ली और उसे ६ जनवरी २०२६ को नवी मुंबई के शिलफाटा इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई महिंद्रा स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने अपने कुछ साथियों की मदद से इस संगठित ठगी को अंजाम दिया था। गिरफ्तार आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए काशीमीरा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है और पुलिस इस पूरे गिरोह की कड़ियां जोड़ने में जुटी हुई है।

उल्हासनगर को 'उन्नत ...

मोदी ने गांवों के साथ-साथ शहरों के विकास पर समान रूप से ध्यान दिया है, जिसका परिणाम है कि सड़क निर्माण जैसे बुनियादी ढांचे के काम तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। जल संकट पर बोलते हुए उन्होंने जानकारी दी कि पोशीर और शिलार बांध परियोजनाओं को मंजूरी दे दी गई है और इनके पूरा होने से अगले दो वर्षों में ठाणे जिले सहित उल्हासनगर को पर्याप्त और स्थायी जल आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

अमेरिका से निर्वासित होकर...

तक फैला हुआ था। उसके खिलाफ हरियाणा और दिल्ली में कुल दस गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि उसने पूर्वी दिल्ली के पते के आधार पर फर्जी पहचान बनाकर अवैध रूप से पासपोर्ट हासिल किया और २० जून २०२४ को इसी पासपोर्ट के जरिए कुवैत होते हुए अमेरिका फरार हो गया। इस धोखाधड़ी के मामले में गोहाना में भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया, जिसके बाद उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी हुआ, इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस निकाला गया और उसे भगोड़ा अपराधी घोषित किया गया। एसटीएफ ने इस निर्वासन को संगठित अपराध और फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे लक्षित अभियान की बड़ी सफलता करार दिया है। इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए डीजीपी अजय सिंघल ने अपराधियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि हरियाणा में अपराध के लिए अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं है और जो अपराधी यह सोचते हैं कि फर्जी पहचान या देश की सीमाओं के बाहर जाकर कानून से बच जाएंगे, वे भ्रम में न रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर भगोड़ा, चाहे देश में हो या विदेश में, कानून के दायरे में लाया जाएगा और हरियाणा कानून-व्यवस्था के लिए है, अपराधियों के लिए नहीं।

सैलरी विवाद में जानलेवा...

हमला कर दिया, उसकी गर्दन और कंधे पर वार करते हुए जान से मारने की कोशिश की और मौके से फरार हो गया। इस मामले में खार पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया और लगातार ठिकाने बदलता रहा। टेक्निकल एनालिसिस और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने पहले उसके मूवमेंट को वसई और बाद में उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में उसके पैतृक गांव तक ट्रैक किया, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले वह वहां से भी भाग गया। इसके बाद विश्वसनीय सूचना मिली कि आरोपी नेपाल भागने की फिराक में है, जिस पर खार पुलिस की क्राइम डिटेक्शन टीम भारत-नेपाल सीमा पर पहुंची और कड़ाके की ठंड के बीच निगरानी रखते हुए ५ जनवरी को इटवा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के बड़नी इलाके से रामकिशन को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को मुंबई लाया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए अदालत में पेश किया जाएगा।

बीएमसी चुनाव 2026 का...

हुए स्थानीय समस्याओं, बुनियादी सुविधाओं, विकास कार्यों और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर नागरिकों ने पानी की किल्लत, टूटी-फूटी गलिया, स्वच्छता व्यवस्था, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी अपनी समस्याएं खुलकर उनके सामने रखीं। रश्मि मालुसरे ने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वार्ड का सर्वांगीण विकास और आम जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मतदाताओं से लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि आगामी १५ जनवरी २०२६ को 'घड़ी' के निशान पर ४ नंबर का बटन दबाकर उन्हें सेवा का अवसर दें।

इस जनसंवाद यात्रा को स्थानीय नागरिकों का व्यापक और सकारात्मक प्रतिसाद मिला। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने यह संकेत दिया कि क्षेत्र में बदलाव की अपेक्षा और राजनीतिक जागरूकता लगातार बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि मालुसरे दंपति पिछले १४ वर्षों से वार्ड ९४ के नागरिकों के बीच सक्रिय रहे हैं और उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ पारिवारिक संबंध विकसित किए हैं। नागरिकों का कहना है कि उन्होंने हमेशा समस्याओं को समझने और समाधान खोजने का ईमानदार प्रयास किया। वहीं, क्षेत्र की जमीनी हकीकत यह है कि पिछले १८ वर्षों से झोपड़पट्टी पुनर्विकास ठप पड़ा है। तोड़े गए झोपड़ीधारकों को विकासक भाड़ा नहीं दे रहा है। खार पूर्व स्थित जवाहर नगर बीएमसी स्कूल का सवाल आज भी अनुत्तरित है। खार पूर्व में मौजूद एक सरकारी स्कूल को कथित तौर पर विकास के नाम पर तोड़ दिया गया, लेकिन बच्चों के लिए वैकल्पिक शैक्षणिक व्यवस्था अब तक क्यों नहीं की गई—यह आज भी बड़ा सवाल बना हुआ है। इसके साथ ही सड़क, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और स्वच्छता जैसे बुनियादी मुद्दों को पूर्व जनप्रतिनिधियों ने गंभीरता से नहीं लिया, जिससे नागरिकों में गहरी नाराजगी है। ऐसे में रश्मि रूपेश मालुसरे की जनसंवाद यात्रा को वार्ड ९४ में स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित राजनीति और सीधे जनता से जुड़ने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जो आने वाले चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकती है।

स्टार्टअप्स और आत्मनिर्भर...

संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' भारत की पहचान है और भारत ने संत-महात्माओं के माध्यम से मानवता का संदेश पूरे विश्व में पहुँचाया है। राज्यपाल ने कहा कि स्टार्टअप्स और आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से भारत वैश्विक स्तर पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की ओर अग्रसर है, साथ ही विकास का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति तक पहुँच रहा है। उल्लेखनीय है कि वर्ष २०२५-२६ का राष्ट्रीय युवा महोत्सव दिल्ली में ९ जनवरी २०२६ से आयोजित किया गया है।

मेष: आज का दिन निर्णय लेने के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी पहल से लाभ होगा। अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। धन संबंधी मामलों में सुधार होगा। पारिवारिक वातावरण सकारात्मक रहेगा। स्वास्थ्य में सिर और आंखों से जुड़ी परेशानी से बचें।

वृषभ: आज स्थिरता और धैर्य से सफलता मिलेगी। नौकरी में भरोसा बढ़ेगा। व्यापार में पुराने निवेश से लाभ हो सकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। गले और सर्दी-जुकाम का ध्यान रखें।

मिथुन: आज संचार कौशल आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगा। मीडिया, शिक्षा और व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ होगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंधों में बातचीत से गलतफहमी दूर होगी। तनाव से बचें।

कर्क: आज भावनात्मक संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक मामलों में धैर्य रखें। खर्च बढ़ सकता है, बजट पर ध्यान दें। पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

सिंह: आज आत्मविश्वास और नेतृत्व उभरकर सामने आएगा। कार्यस्थल पर प्रशंसा मिलेगी। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या: आज मेहनत और सूझबूझ से लाभ मिलेगा। रुके कार्य पूरे होने के योग हैं। नौकरी में स्थिरता बनी रहेगी। परिवार में किसी बुजुर्ग का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में पाचन का ध्यान रखें।

तुला: आज संतुलन और समझदारी से आगे बढ़ें। साझेदारी में पारदर्शिता रखें। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संयम रखें। कमर और जोड़ों में दर्द संभव है।

वृश्चिक: आज सतर्कता और संयम जरूरी है। कार्यक्षेत्र में गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। निवेश सोच-समझकर करें। प्रेम जीवन में गहराई आएगी। ध्यान और योग से लाभ होगा।

धनु: आज भाग्य का साथ मिलेगा। शिक्षा, प्रतियोगिता और यात्रा में सफलता के योग हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मकर: आज जिम्मेदारियों का दबाव रहेगा, लेकिन परिणाम अनुकूल होंगे। वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। जोड़ों और थकान से बचें।

कुंभ: आज नए विचार और योजनाएँ सामने आएंगी। तकनीक और सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को लाभ होगा। प्रेम संबंधों में स्पष्टता जरूरी है। नींद पूरी लें।

मीन: आज रचनात्मकता और संवेदनशीलता बढ़ी रहेगी। कला और आध्यात्मिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। भावनात्मक संतुलन बनाए रखें।

लोकतंत्र की आधार नीतिः निंदक नियरे राखिए

विवेक रंजन श्रीवास्तव

पक्ष और विपक्ष का समन्वय ही लोकतंत्र है। विपक्ष का कार्य पक्ष में निंदा ढूंढकर उसे उजागर करना होता है तो पक्ष को इस निंदा को आत्मसात कर जनहित में निरंतर विपक्ष की निंदा के अनुसार नीतियों में परिष्कार करना होता है। इसी प्रकार मनुष्य का स्वभाव है कि वह सदैव अपनी प्रशंसा सुनना चाहता है। कोई उसकी स्तुति करे, गुणों की सराहना करे, तो उसका हृदय पुलकित हो उठता है। किंतु जैसे ही कोई उसकी आलोचना करता है, उसके दोषों का उल्लेख करता है, तो वही हृदय क्षुब्ध हो जाता है। परंतु संत कवि कबीरदास ने मनुष्य को उल्टा दृष्टिकोण दिया, उन्होंने कहा- 'निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय।
बिन साबुन पानी बिन, निर्मल करे सुभाय।।

इस छोटे-से दोहे में उन्होंने मानवीय आत्मशुद्धि का गूढ़ संदेश समझाया है। कबीर कहते हैं कि जो आपकी निंदा करता है, उसे अपने समीप रखना चाहिए, क्योंकि वह बिना किसी साधन के आपकी वृत्तियों को निर्मल करता है। जैसे दर्पण हमें हमारी वास्तविक छवि दिखाता है, वैसे ही निंदक हमारे दोषों को प्रकट करता है। व्यापक अर्थ में कबीर का यह दोहा लोकतंत्र की मूल नीति भी है। 'निंदा' शब्द सामान्यतः नकारात्मक अर्थ में प्रयुक्त होता है। हम जब किसी की निंदा करते हैं, तो अभिप्राय होता है कि उसके दोष गिनाना। कबीरदास की दृष्टि में वे निंदा को आत्मपरीक्षण का साधन मानते हैं। जो व्यक्ति आपसे असहमति व्यक्त करता है, आलोचना करता है, वह दरअसल आपके भीतर झाँकने का अवसर देता है। यदि हम धैर्यपूर्वक सुनें और विचार करें, तो वही आलोचना हमारे व्यक्तित्व को निखार सकती है।आत्म संशोधन का साधन निंदा है। मनुष्य प्रायः अपने गुणों के प्रति आसक्त रहता है। उसे अपने दोष कम ही दिखाई देते हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति हमें हमारी त्रुटियाँ दिखा दे,तो वह हमारे लिए 'दर्पण' के समान हो सकता है। हर सजग व्यक्ति के लिए यह अवसर होता है कि वह स्वयं में निंदा को समझ कर सुधार करे। जीवन में प्रगति का मूलमंत्र यही है ,स्वयं को जानना, पहचानना और लगातार सँवारना। निंदक इस मार्ग में गुरु का कार्य करता है, क्योंकि वह हमें हमारी सीमाएँ दिखाता है। कबीर के इस दोहे में आध्यात्मिक साधना की झलक है। साधक जब आत्मज्ञान की ओर अग्रसर होता है, तो उसे निरंतर आत्मपरीक्षण की आवश्यकता होती है। निंदा इस आत्मपरीक्षण का एक बाह्य माध्यम है। जब कोई हमारी निंदा करता है, तो भीतर की 'अहंता' जाग उठती है। यदि उस क्षण हम संयम से काम लें और अपने भीतर झाँकें, तो अहंकार की परतें धीरे-धीरे हटती जाती हैं। इसप्रकार निंदा आत्मा के परिष्कार का साधन बन जाती है। समाज में आलोचना का एक संतुलित स्थान होना अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज में केवल प्रशंसा ही होती रहे, तो सुधार की भावना नष्ट हो जाएगी। साहित्य में आलोचना एक सर्वथा मान्य विधा ही है। लेखक अपना सर्वश्रेष्ठ लिखता है, फिर उसे समालोचक को समीक्षा हेतु आदर पूर्वक भेजता है जिससे पाठक के लिए रचना के गुण धर्म स्पष्ट हों । आदर्श समीक्षा लेखक की दृष्टि को परिष्कृत करती है। घर परिवार में भी बच्चों के विकास क्रम में उनकी गलतियों का सुधार उसकी निंदा के आधार पर ही हो पाता है।

निंदा जनमत को जागरूक बनाती है। लोकतंत्र इसी आलोचनात्मक चेतना पर आधारित है। राजनीतिज्ञ, साहित्यकार, वैज्ञानिक या कलाकार, सभी के लिए समीक्षक का होना अनिवार्य है। समीक्षक यदि निष्पक्ष हो, तो उसके द्वारा ही सृजन का स्तर ऊँचा उठता है। कबीर का यह दोहा केवल व्यक्तिगत ही नहीं, सामाजिक अनुशासन का भी संकेत देता है। सच्चे निंदक समाज में सत्य के द्योतक हैं। वे व्यक्ति या संस्था के दोषों को उजागर कर समाज को सजग रखते हैं। यदि निंदक न रहें, तो समाज आत्मसंतोष में डूब जाए और पतन की ओर बढ़े। इस दृष्टि से निंदक समाज के 'स्वास्थ्य-रक्षक' हैं। निंदा और द्वेष में अंतर समझना चाहिए। कबीर की 'निंदा' का अभिप्राय 'द्वेष' या 'नीचा दिखाने' से नहीं है। द्वेष से प्रेरित निंदा विष की तरह होती है, वह संबंध तोड़ती है और मन को कलुषित करती है। परंतु सजग और निष्पक्ष निंदा आत्मकल्याण का साधन बनती है। कबीरदास इसीलिए कहते हैं कि निंदक को अपने समीप रखो, क्योंकि जब वह सम्मुख होगा, तो उसकी बातें आत्म विचार उत्पन्न करेंगी। पर यदि वह दूर होगा, तो तुम्हें अपनी भ्रांतियों का पता न चलेगा। जीवन में निंदक का स्थान महत्वपूर्ण होता है। बाल्यकाल से ही हमें सिखाया जाता है कि दूसरों की बुराई न करें। यह शिक्षण नैतिक दृष्टि से उचित है, किंतु जब हम जीवन में आगे बढ़ते हैं, तो समझते हैं कि 'सार्थक आलोचना' भी उतनी ही आवश्यक है। जिसने भी अपने जीवन में निंदक को स्थान दिया, वह कभी मार्ग से विचलित नहीं हुआ।महान व्यक्तित्व इस सिद्धांत को भली-भाँति समझते हैं। इतिहास साक्षी है कि महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, तुलसीदास सभी ने अपने आलोचकों से सीखा। गांधीजी ने तो कहा था कि 'मेरे विरोधी ही मेरे सबसे बड़े शिक्षक हैं। यह दृष्टिकोण जितना सरल प्रतीत होता है, उसकी साधना उतनी ही कठिन है। अपने विरोधियों को सहन करना, उनकी बातों में सत्य खोजना, यही परिपक्वता है। निंदक को समीप रखने का यह अर्थ नहीं कि हम अपनी मर्यादा या आत्मसम्मान खो दें। यदि कोई व्यक्ति केवल अपमान करने के उद्देश्य से कटु वचन कहता है, तो उसका प्रतिकार आवश्यक है। किंतु यदि उसकी बातों में सत्य का अंश है, तो उस सत्य को स्वीकार कर आत्मसुधार करना ही विवेक का लक्षण है। इस प्रकार, बुद्धिमत्ता निंदक को दूर भगाने में नहीं, बल्कि उसकी बातों का सार ग्रहण करने में है। आध्यात्मिक दृष्टि से कबीर की वाणी केवल सामाजिक या व्यवहारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक भी है। उनका यह दोहा 'अहंकार-क्षय' का मार्ग बताता है। जब कोई हमारी निंदा करता है और हम शांत रहते हैं, तो हमारे भीतर 'मैं' शिथिल होता है। धीरे-धीरे यह स्थिति 'समत्व' की ओर ले जाती है, जहाँ प्रशंसा और निंदा दोनों समान लगती हैं। यही गीता का भी संदेश भी है -'सम्मानं च अपमानं च तुल्यं कृत्वा।'

अर्थात् जो व्यक्ति सम्मान और अपमान में सम रहता है, वही स्थिर बुद्धि का धनी होता है। हिंदी साहित्य में 'कबीर' वह पर्वत-शिखर हैं जहाँ से सदाचार, निर्भीकता और यथार्थवाद की ज्ञान गंगा प्रवाहित होती है। उनके दोहों में जीवन का रस है और दर्शन का गूढ़ अर्थ। 'निंदक नियरे राखिए' जैसे दोहे केवल भाषा की शोभा नहीं, जीवन के गूढ़ अर्थ और दर्पण हैं। यह दोहा आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना पाँच शताब्दी पूर्व था।यदि हम आधुनिक युग की बात करें,

जहाँ सोशल मीडिया और जनमाध्यमों के युग में आलोचना सर्वत्र विद्यमान है, वहाँ कबीर का यह संदेश और भी आवश्यक प्रतीत होता है। आज के समय में लोग तुरंत प्रतिक्रिया देते हैं, विवाद करते हैं, पर आत्मविश्लेषण नहीं करते। अगर हम कबीर की तरह सोचें, तो आलोचना को सीखने का अवसर मानें, तो समाज में संवाद की स्वस्थ परंपरा स्थापित हो सकती है। यदि हम इस दोहे को अपने जीवन में उतारें, तो कुछ सरल उपाय अपनाए जा सकते हैं। आलोचना को शांत मन से सुनने की आदत डालें। अपनी गलतियों को स्वीकार करने में संकोच न करें। दूसरों की दृष्टि से स्वयं को देखने की कला विकसित करें। प्रशंसा और निंदा दोनों में संतुलन बनाए रखें।निंदक के प्रति द्वेष रखने के बजाय उसे कृतज्ञ दृष्टि से देखें। इन उपायों से हमारा मन अधिक स्थिर, विवेकी और सहनशील बनेगा। कबीर का यह दोहा केवल एक नैतिक शिक्षण नहीं, बल्कि एक व्यापक जीवन-सिद्धांत है। जो व्यक्ति निंदक को शत्रु नहीं, शिक्षक समझता है, उसका जीवन निरंतर प्रगतिशील रहता है। निंदक हमें हमारे दोषों से परिचित कराता है। यही परिचय सुधार की पहली सीढ़ी है। निंदक को दूर रखकर हम अपने चारों ओर केवल मधुर शब्दों की दीवार खड़ी कर सकते हैं, पर सत्य का प्रकाश भीतर नहीं पहुँच सकेगा। अतः आवश्यक है कि हम निंदा को सहर्ष स्वीकार करें और उसे आत्मविकास का माध्यम बनाएँ। कबीर की वाणी शाश्वत है जो भी इसे जीवन में उतार ले, उसका चित्त निर्मल और स्थिर हो सकता है,वास्तव में, निंदक वही दीपक है जो हमारे भीतर के अँधेरे को उजाले में बदल सकता है।

एनसीपी ने जारी किया बीएमसी चुनाव 2026 का घोषणापत्र मुंबई को 'विश्व स्तरीय और समावेशी शहर' बनाने का दावा

संवाददाता

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने बुधवार को वर्ष २०२६ के मुंबई महानगरपालिका चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी करते हुए मुंबई को 'विश्व स्तरीय, समावेशी और शानदार शहर' में बदलने का व्यापक विज़न पेश किया। एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार के नेतृत्व में पार्टी ने शाहू-फुले-अंबेडकर की प्रगतिशील विरासत को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और संतुलित विकास को अपनी प्राथमिकता बताया। यह घोषणापत्र राज्य एनसीपी अध्यक्ष सुनील तटकरे, बीएमसी चुनाव समन्वय समिति प्रमुख नवाब मलिक, शहर इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ कांबले सहित वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में जारी किया गया।

घोषणापत्र में बुनियादी ढांचे के व्यापक विकास का वादा किया गया है, जिसके तहत अगले पांच वर्षों में ५०० किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण, पुलों और फ्लाईओवरों के आधुनिकीकरण की योजना शामिल है। बीकेसी, वर्ली और पूर्वी उपनगरों जैसे प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों को रोजगार के नए केंद्र के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। स्मार्ट सिटी पहल के अंतर्गत एआई आधारित स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल सिस्टम लागू करने, सीसीटीवी और वाई-फाई नेटवर्क के विस्तार का भी प्रस्ताव है। एनसीपी ने पुरानी चालों और झुग्गी बस्तियों के निवासियों को २४ घंटे स्वच्छ और मुफ्त पानी उपलब्ध कराने का वादा करते हुए 'जल समृद्ध नगर अभियान' शुरू करने की घोषणा की है, जिसके तहत २०३० तक १०० प्रतिशत स्मार्ट वॉटर मीटर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। कचरा प्रबंधन के लिए 'जीरो वेस्ट' नीति, कचरा पृथक्करण को बढ़ावा देने हेतु 'वेस्ट क्रेडिट सर्टिफिकेट सिस्टम' और बाढ़ रोकने व जल निकायों की सफाई के लिए विशेष 'नदी कायाकल्प अभियान' प्रस्तावित किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में नगर निगम अस्पतालों को टेली-कंसल्टेशन सुविधा से युक्त २४/७ आरोग्य कल्याण केंद्रों में बदलने और सभी नगर निगम स्कूलों के विद्यार्थियों को हेल्थ कार्ड देने की घोषणा की गई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटलक्लासरूम, एआई आधारित तकनीक, प्रत्येक वार्ड में मुफ्त स्टडी रूम और करियर मार्गदर्शन केंद्र तथा श्रवण और वाणी बाधित छात्रों के लिए हर वार्ड में विशेष स्कूलखोलने का वादा किया गया है। घोषणापत्र का प्रमुख आकर्षण ७०० वर्ग फुट तक के घरों के लिए संपत्ति कर माफी है, साथ ही १ लाख किफायती घरों के निर्माण और एसआरए योजनाओं में तेजी लाने का संकल्प लिया गया है।

पर्यावरण संरक्षण के तहत १० लाख पेड़ लगाने, इलेक्ट्रिक बसों और सीएनजी वाहनों को बढ़ावा देकर मुंबई को हरित शहर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। परिवहन के क्षेत्र में मेट्रो और लोकल ट्रेन नेटवर्क के विस्तार के लिए केंद्र सरकार से समन्वय तथा मुंबई मेट्रो में दिव्यांगजनों को पूर्ण किराया छूट देने का वादा किया गया है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'सुरक्षित मुंबई' अभियान के अंतर्गत पुलिस गश्त बढ़ाने, विशेष हेल्पलाइन और कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल निर्माण की योजना शामिल है। युवाओं के लिए प्रत्येक वार्ड में स्किल डेवलपमेंट सेंटर, नगर निगम स्तर पर जॉब फेयर और अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की गई है। एनसीपी ने अंत में मुंबईवासियों से अपने चुनाव चिन्ह 'घड़ी' पर मतदान करने की अपील करते हुए इसे शहर के उज्ज्वल भविष्य, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक सद्भाव को बनाए रखने के संकल्प का प्रतीक बताया।

बुजुर्ग महिला से ठगी, पुलिस बनकर सोने के गहने ले उड़े आरोपी सीसीटीवी खंगाल रही मुंबई पुलिस

संवाददाता

मुंबई। मुंबई शहर के कांदिवली पश्चिम इलाके में ठगी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ पुलिसकर्मी होने का नाटक कर तीन अज्ञात आरोपियों ने एक बुजुर्ग महिला से करीब एक लाख रुपये मूल्य के सोने के गहने ठग लिए। यह वारदात डहाणूकरवाड़ी मेट्रो स्टेशन के नीचे हुई। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की पहचान प्रीमा संजीवा पुजारी (६६) के रूप में हुई है, जो पिछले २५ वर्षों से कांदिवली पश्चिम में अपने परिवार के साथ रह रही हैं। वह रोज की तरह सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकली थीं। इसी दौरान जब वह डहाणूकरवाड़ी मेट्रो स्टेशन के पास फुटपाथ से गुजर रही थीं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास आया और उनसे कहा कि पीछे कोई उन्हें बुला रहा है। इसी बीच पीछे खड़े दूसरे आरोपी ने महिला को डराते हुए कहा कि आगे गहनों के लिए चाकू मारकर हत्या की घटना हुई है। उसने भय का माहौल बनाते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा के लिए उन्हें तुरंत अपने गहने उतार देने चाहिए। जब महिला ने इसका विरोध किया, तो दोनों आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए भरोसा दिलाया। आरोपियों ने महिला को एक काली प्लास्टिक की थैली दी और कहा कि वह अपने सारे गहने उसमें रख दे। डर और भ्रम की स्थिति में आकर महिला ने अपने सभी सोने के गहने थैली में रख दिए। इसके बाद आरोपियों ने थैली वापस सौंपते हुए गहनों को सुरक्षित रखने की सलाह दी और मौके से फरार हो गए। कुछ ही देर बाद महिला को शक हुआ। जब उन्होंने थैली खोलकर देखी तो वह पूरी तरह खाली थी। तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। पीड़िता के मुताबिक, इस वारदात में तीन आरोपी शामिल थे—दो आरोपी सीधे उनसे बात कर रहे थे, जबकि तीसरा थोड़ी दूरी पर खड़ा होकर निगरानी कर रहा था। तीनों ने पुलिसकर्मी बनकर उनका भरोसा जीता और ठगी को अंजाम दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता ने कांदिवली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ ठगी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। मेट्रो स्टेशन और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। मुंबई पुलिस ने नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों, से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति यदि खुद को पुलिस या सरकारी अधिकारी बताए तो पहचान पत्र देखे बिना भरोसा न करें। किसी भी हालत में गहने या कीमती सामान अजनबियों को न सौंपें और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी को 20 साल की सश्रम कैद

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के निर्मलनगर पुलिस थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए २० वर्ष की सश्रम कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर आर्थिक दंड भी लगाया है। पुलिस के अनुसार, वर्ष २०२२ में खार पूर्व परिसर में रहने वाले आरोपी मनुवर उर्फ गणू मलिक (उम्र ५२ वर्ष) ने १० वर्षीय नाबालिग बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के समय बच्ची घर के बाहर खेल रही थी और घर में कोई मौजूद नहीं था। घटना के बाद पीड़िता ने अपनी मां को पूरी जानकारी दी। मां की शिकायत पर निर्मलनगर पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं के साथ-साथ बाल लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और जांच पूरी कर न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई विशेष पॉक्सो न्यायालय में हुई। सुनवाई के दौरान पीड़िता, उसके परिजन, गवाहों और जांच अधिकारियों के बयान दर्ज किए गए। प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराध समाज के लिए बेहद गंभीर चुनौती हैं और ऐसे मामलों में सख्त सजा आवश्यक है, ताकि भविष्य में इस तरह के अपराधों पर रोक लगाई जा सके।

23 साल की उम्र में सलाखों के पीछे पहुँचा 'अमन' ठाणे पुलिस ने 14 लाख की एमडी ड्रग्स पकड़ी

इंद्र यादव

मुंबई। वह उम्र जब एक युवा अपने करियर और परिवार के सपनों को साकार करने की नींव रखता है, उसी उम्र में ठाणे का एक और 'अमन' सलाखों के पीछे पहुँच गया। मंगलवार की ठंडी सुबह, जब शहर जागने की तैयारी कर रहा था, उसी वक्त ठाणे पुलिस की कार्रवाई ने नशे के काले कारोबार की एक और कड़वी सच्चाई सामने ला दी। मुंब्रा निवासी २३ वर्षीय अमन तमीन गडकरी को ठाणे पुलिस ने ७१.२ ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त की गई इस 'सफेद ज़हर' की बाजार कीमत करीब १४.२४ लाख रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई सिर्फ एक ड्रग्स की बरामदगी नहीं, बल्कि उस खतरे की चेतावनी है, जो धीरे-धीरे समाज की नसों में ज़हर घोल रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर विजय कुमार देशमुख को कौसा इलाके में ड्रग्स की सप्लाई को लेकर एक पुख्ता सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस ने इलाके में जाल बिछाया। जैसे ही अमन तय स्थान पर पहुंचा, पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स बरामद हुई, जिसे देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। इतनी कम उम्र के युवक के पास लाखों रुपये का नशीला पदार्थ। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अमन ड्रग्स कहां से लाता था और इसके पीछे कौन सा नेटवर्क सक्रिय है। वही स्थानीय नागरिक एड.राकेश सरोज ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा- जब २३ साल का लड़का ऐसे अपराध में पकड़ा जाता है, तो दुख सिर्फ अपराध का नहीं होता, बल्कि उस बर्बाद होते भविष्य का होता है, जो कभी परिवार की उम्मीद हुआ करता था। यह घटना कई सवाल खड़े करती है- क्या जल्दी पैसा कमाने की चाह युवाओं को इस रास्ते पर धकेल रही है? या फिर ड्रग माफियाओं का वह संगठित जाल, जिसमें मासूम आसानी से फंस जाते हैं? अमन आज जेल की चारदीवारी में है, लेकिन यह घटना ठाणे और मुंब्रा के उन तमाम परिवारों के लिए एक बड़ा 'वेक-अप कॉल' है, जिनके बच्चे इसी नाजुक उम्र के पड़ाव से गुजर रहे हैं। नशे के खिलाफ सख्ती के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता ही इस अंधेरे को रोशनी में बदल सकती है।

ओशिवारा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, घरफोड़ चोरी का आदतन अपराधी गिरफ्तार, 1.26 करोड़ का माल बरामद

संवाददाता

मुंबई। ओशिवारा पुलिस ने एक बड़े घर में हुई करोड़ों की चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से १,२६,१०,४५० रुपये मूल्य के सोने, हीरे और चांदी के गहने बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह चोरी २९ दिसंबर २०२५ की रात ११ बजे से ३० दिसंबर २०२५ की सुबह ७:३० बजे के बीच हुई। अज्ञात आरोपी ने बंगला नंबर १५, मैग्नम टावर, बैंक रोड, दूसरी क्रॉस रोड, लोखंडवाला, अंधेरी पश्चिम स्थित एक बंगले को निशाना बनाया। आरोपी बाथरूम की खिड़की से घर के अंदर दाखिल हुआ और शिकायतकर्ता की अलमारी तोड़कर सोने, हीरे और चांदी के गहनों के साथ नकदी से भरा सेफ चुरा लिया। चोरी किए गए सामान की कुल कीमत लगभग १,३७,२०,००० रुपये आंकी गई थी। घटना की शिकायत मिलने पर ओशिवारा पुलिस ने ३० दिसंबर २०२५ को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा ३३१(४) और ३०५(ए) के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, क्राइम डिटेक्शन ऑफिसर और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर गहन जांच शुरू की।

शुरुआत में कोई ठोस सुराग न मिलने के बावजूद, पुलिस टीम ने तकनीकी और गोपनीय जानकारी के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। सब-इंस्पेक्टर विकास कदम और उनकी टीम ने उस इलाके में जाल बिछाया, जहां आरोपी के छिपे होने की आशंका थी। करीब दो दिनों की सतत निगरानी के बाद, पुलिस ने ३ जनवरी २०२६ को संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल करते हुए बताया कि उसने कीमती सामान अपने घर और एक ज्वैलर के पास छिपाकर रखा है। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए १,२६,१०,४५० रुपये मूल्य के हीरे, सोने और चांदी के गहने बरामद किए। आगे की जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले से १४ आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आगे की पूछताछ में ओशिवारा पुलिस स्टेशन सहित अन्य थानों के भी कई पुराने मामले सामने आ सकते हैं। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि चोरी के माल को बेचने में और कौन-कौन शामिल था।

50 करोड़ के लोन फ्रॉड में ईडी की बड़ी कार्रवाई, टीजीबीएल के सीईओ प्रतीक कनाकिया गिरफ्तार

संवाददाता

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड (बीईसीआईएल) से जुड़े ५० करोड़ रुपये के लोन धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए द ग्रीन बिलियंस लिमिटेड (टीजीबीएल) के सीईओ प्रतीक कनाकिया को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। ईडी के अनुसार, यह लोन पुणे में वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए लिया गया था, लेकिन जांच में सामने आया है कि लोन की राशि का इस्तेमाल परियोजना में करने के बजाय निजी लाभ के लिए किया गया। एजेंसी का दावा है कि इस पैसे से कनाकिया ने शानदार जीवनशैली बनाए रखी, लग्जरी कारें खरीदीं और मुंबई व दिल्ली में महंगी रिहायशी संपत्तियां खरीदीं। इस मामले में सितंबर २०२४ में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने प्रतीक कनाकिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की।जांच के दौरान ईडी को ऐसे वित्तीय लेन-देन के सबूत मिले, जो कथित तौर पर अपराध से अर्जित धन की ओर इशारा करते हैं। ईडी ने सोमवार शाम को प्रतीक कनाकिया को गिरफ्तार किया और मंगलवार को विशेष अदालत में पेश किया। एजेंसी की ओर से पेश हुए वकील अभिनव तिवारी ने अदालत को बताया कि कनाकिया इस पूरे मामले में अपराध से प्राप्त धन के मुख्य लाभार्थी हैं और उनसे पूछताछ के लिए हिरासत जरूरी है।

अदालत ने ईडी की दलीलों को स्वीकार करते हुए प्रतीक कनाकिया को ९ जनवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। ईडी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि लोन की रकम किन-किन माध्यमों से ट्रांसफर की गई, इसमें और कौन-कौन लोग शामिल थे और कितनी संपत्तियां अब तक इस कथित मनी लॉन्ड्रिंग से खरीदी गईं। एजेंसी के अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे और गिरफ्तारियां और संपत्ति कुर्की की कार्रवाई हो सकती है।

मीरा-भाईंदर में मतदान जागरूकता को लेकर स्वीप अभियान तेज मतदान मौलिक अधिकार और कर्तव्य: आयुक्त शर्मा

संवाददाता

मीरा-भाईंदर। मीरा-भाईंदर महानगरपालिका सार्वत्रिक चुनाव २०२५-२६ की पृष्ठभूमि में नागरिकों में मतदान के प्रति व्यापक जागरूकता निर्माण करने के उद्देश्य से महानगरपालिका प्रशासन द्वारा स्वीप(व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी) अभियान प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत बुधवार, ७ जनवरी २०२६ को मीरा-भाईंदर महानगरपालिका स्कूल क्रमांक ०४ में विशेष मतदान जनजागृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महानगरपालिका के आयुक्त तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी राधाबिनोद ए.शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने 'मतदान क्यों आवश्यक है' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के महत्व को प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया। कार्यक्रम की खास प्रस्तुति के रूप में बाल कलाकारों एवं नाट्य कलाकारों द्वारा मतदान जनजागृति पर आधारित पथनाट्य प्रस्तुत किया गया। इस पथनाट्य के माध्यम से मतदान का महत्व, नागरिकों की जिम्मेदारी और लोकतंत्र में मताधिकार की भूमिका को जीवंत रूप में दर्शाया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह से उत्स्फूर्त सराहना प्राप्त हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई मतदान जनजागृति से संबंधित चित्रकला एवं निबंध लेखन प्रदर्शनी का निरीक्षण आयुक्त राधाबिनोद ए. शर्मा ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मकता और सामाजिक चेतना की विशेष प्रशंसा करते हुए ऐसे उपक्रमों को भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए आयुक्त राधाबिनोद शर्मा ने कहा कि मतदान प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होने के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण कर्तव्य भी है। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से निर्भय होकर, उत्साह के साथ और जिम्मेदारीपूर्वक मतदान प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नागरिकों और विद्यार्थियों ने मतदान की शपथ ली। इसके बाद मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से स्कूली विद्यार्थियों के माध्यम से रैली निकाली गई। रैली के जरिए नागरिकों तक 'अपने शहर की शान, मतदान में पाएं पहला स्थान' का प्रेरक संदेश पहुंचाया गया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त (मुख्यालय) डॉ. सचिन बांगर, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी राज घरत सहित स्वीप टीम के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। महानगरपालिका प्रशासन ने बताया कि स्वीप अभियान के अंतर्गत आगामी दिनों में भी विभिन्न रचनात्मक एवं जनसहभागिता वाले उपक्रमों के माध्यम से नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

मुंबई गृहनिर्माण व क्षेत्रविकास मंडळ
(म्हाडाचा घटक)
म्हाडा MHADA

जाहिर सुचना

मौजे- वांद्रे, ता.अंधेरी, न.भू.क्र.१३ [पै], ३३ [पै] येथील शिवाजी सेवा मंडळ सह. गृह. संस्था या संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेअंतर्गत परि-२ मधील अ.क्र. ११३ वरील श्री. जर्नादन महादेव जाधव यांच्या ऐवजी श्री. गणेश राजेंद्र गावकर यांचे नाव सामाविष्ट करून पात्रता निश्चित करणेकामीचा अर्ज प्राप्त झाला आहे. सबब सदर नोटीसीद्वारे कळविण्यात येते की, उपरोक्त प्रकरणी हरकत असल्यास ८ दिवसांत खालील सही करणार यांच्या कार्यालयात लेखी स्वरूपात नोंदविण्यात याव्यात. मुदतीनंतर प्राप्त हरकती विचारात घेतल्या जाणार नाही, याची कृपया नोंद घ्यावी, असे याद्वारे जाहिर असे

पत्ता : कक्ष क्र.३११, दुसरा मजला, गृहनिर्माण भवन, कलानगर, वांद्रे (पूर्व), मुंबई -४०० ०५१

करीता/ -
सक्षम प्राधिकारी तथा भूव्यवस्थापक
मुंबई मंडळ

ठिकाण : मुंबई
दिनांक : ०७/०१/२०२६

म्हाडा- गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

Candidates who avail themselves of reservations are not entitled to a general category seat after taking advantage of reservations

New Delhi. The Supreme Court has issued an important ruling regarding reservations. The apex court stated that if a candidate avails of a reserved category (e.g., SC, ST) exemption in an examination, they cannot claim an appointment to an unreserved, or general, seat. This Supreme Court ruling came in a case related to the Indian Forest Service (IFS) examination. This case involved the 2013 Indian Forest Service examination. This examination had two stages: a preliminary examination and a main examination, followed by an interview.

What was the whole matter?

The cut-off for the general category in the preliminary examination was 267 marks, while for Scheduled Caste (SC) candidates it was 233 marks. G. Kiran, an SC candidate, took advantage of the 233 mark relaxation and secured 247.18 marks, passing the examination. Meanwhile, Antony S., a general category candidate, failed to qualify. Mariyappa cleared the general cut-off by scoring 270.68 marks.

What the High Court said in its decision

The government, therefore, allocated the General insider seat to Antony and sent Kiran to the Tamil Nadu cadre. Kiran did not like this decision. She filed a petition in the Central Administrative Tribunal (CAT) and then the Karnataka High Court. Both courts ruled in Kiran's favor. She argued that Kiran's final rank was better than Antony's, so she should be given the General seat.

The Supreme Court overturned the HC's decision.

However, the Union of India (government) disagreed with this decision and approached the Supreme Court. A bench of Justices J.K. Maheshwari and Vijay Bishnoi overturned the Karnataka High Court's decision. The Supreme Court stated that the IFS exam is a unified selection process, in which passing the preliminary exam is necessary to appear for the main exam.

The SC issued its order under these rules

The Supreme Court cited Rule 14(ii) of the IFS exam rules. This rule contains a condition: only those reserved category candidates who have not availed of any exemptions or concessions in any phase of the exam can be considered for unreserved seats. The court clearly stated that G. Kiran had availed of the relaxations granted to the SC category in the preliminary exam. Therefore, even if he secured a better rank than a general category candidate in the final merit list, he would not be entitled to an unreserved seat.

'Once the quota is availed...'

Justice Maheshwari wrote in his judgment that once a reserved category candidate avails of the exemption, they cannot be considered for unreserved vacancies. He also stated that exemptions granted in the preliminary exam cannot be ignored in subsequent stages. The Supreme Court also cited an earlier case (Union of India vs. Sajeeb Roy) in its judgment. That case also held that if a reserved category candidate avails of any age, cut-off, or other relaxations, they cannot be considered for an unreserved seat unless the rules explicitly permit it.

Congress sees hope in the MNREGA movement, history also favors the party

New Delhi. The attempt to change the structure of the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA) and advance it under the new name VB-G RAM G (Vikas Bharat Guarantee for Employment and Livelihood Mission Rural) has intensified political debate. Congress has declared a nationwide movement against it, calling it an attack on the very essence of MNREGA. This movement is a key part of Congress's strategy to re-establish its political hold in rural India.

Threat to Legal Guarantees

Congress alleges that the government wants to weaken the legal guarantees of MNREGA by changing its name and structure. The party says that MNREGA is not just an employment scheme but has been a lifeline for the rural poor, especially the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, and Backward Classes. A new structure like VB-G RAM G threatens to erode the legal guarantees of employment, timeliness of wage payment, and the commitment to providing work according to needs.

To capitalize on this politically, Congress has prepared a comprehensive program spanning one and a half months, from Panchayat to Parliament. Under this initiative, letters from Congress President Mallikarjun Kharge and

Leader of the Opposition in the Lok Sabha, Rahul Gandhi, will be personally delivered to village heads, former village heads, employment servants, and MNREGA workers.

In recent years, the Congress has attempted to launch nationwide campaigns on issues such as vote theft and SIR. However, after the defeat in the Bihar Assembly elections, there was a feeling within the party that such issues had limited ground impact. Therefore, it sought a topic directly related to the livelihoods of the people. MNREGA fits this criterion.

History also favors the Congress

MNREGA is believed to have played a decisive role in its return to power at the Centre in 2009. Now, the party is seeking to activate that same social base. Particularly in states like Uttar Pradesh, where the Congress party has long been weak, MNREGA is expected to create new political ground. The Congress wants to pressure the government not to tamper with the scheme's core principles.

Trump's loyal doctor brokered Pakistan's deal; 'Munir' began operations as soon as Pahalgam happened!

New Delhi. India was stunned by the Pahalgam terrorist attack. However, Pakistan was already actively wooing US President Donald Trump. It appears that Pakistani Army Chief Asim Munir, fearing potential Indian action, had already made a thorough plan to persuade Trump on Pakistan's rare earth and critical minerals. A report reveals that a former loyal doctor of US President Donald Trump played a powerful role in securing Asim Munir's entry into the White House,

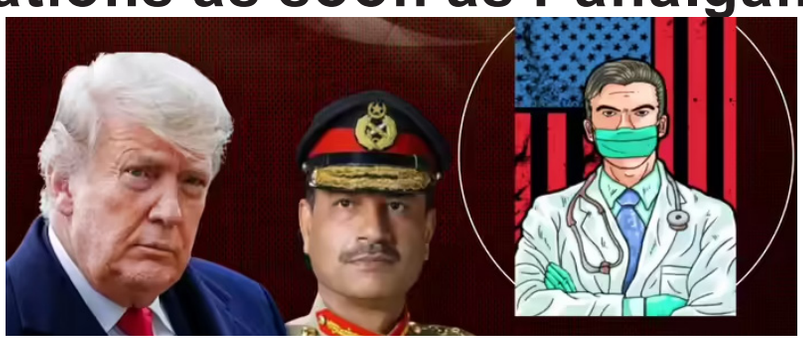

and Pakistan was successful in getting what it wanted from the US.

The deal began immediately after Pahalgam

According to an ET report, Pakistan has secured a special place for itself in the White House through Dr. Ronny Jackson, a former loyalist of US President Donald Trump. The report reveals that on April 22, 2025, Pakistani terrorists carried out a massacre in Pahalgam, and on May 1, Dr. Jackson held a special meeting with Pakistani officials regarding the rare earths deal. According to the report, this doctor ultimately helped Pakistan secure this deal with the United States.

india launched an attack on Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (PoK) on the night of May 6-7, 2025, under Operation Sindoor. Just prior to this, on May 6, Pakistani officials spoke with Dr. Jackson over the phone regarding this possibility.

चीन कोणतीही प्रगती करणार नाही; बांगलादेशपासून बंगालच्या उपसागरापर्यंत शत्रू जमीन, समुद्र आणि हवेने वेढलेला असेल

नवी दिल्ली. बांगलादेशमध्ये अस्थिरतेच्या सुरुवातीपासून, सिलिगुडी कॉरिडॉरबाबत भारताला धमकावण्याचे अनेक प्रयत्न झाले आहेत. प्रथम, मोहम्मद युनूस यांच्या बांगलादेश सरकारने तेथील जुना हवाई तळ दाखवण्याच्या बहाण्याने चीनला आमंत्रित करून धमकावण्याचा प्रयत्न केला. त्यानंतर, तेथील कट्टरपंथी विद्यार्थी नेते देखील त्याच स्वरात बोलू लागले. हे सर्व त्याच वेळी सुरू झाले जेव्हा चीनने दक्षिण चीन समुद्राच्या पलीकडे जाऊन बंगालच्या उपसागरात आपले डावपेच गुप्तपणे उघड करण्यास सुरुवात केली. तथापि, भारताने आता या नापाक हेतूंना आळा घालण्यासाठी तयारी सुरू केली आहे.

हल्दियामध्ये नौदल तळ का बांधला जात आहे?

बंगालच्या उपसागरात भारतीय नौदलाच्या पूर्व नौदल कमांडचे मुख्यालय विशाखापट्टणम येथे आहे. नौदलाचा अंदमान आणि निकोबार बेटांवरही एक तळ आहे. तथापि, आता पश्चिम बंगालमधील हल्दियामध्ये एक नवीन तळ बांधण्याची तयारी सुरू आहे. हल्दियामध्ये आधीच तटरक्षक दलाचा तळ आहे. तथापि, बांगलादेश आणि म्यानमारजवळ नवीन नौदल तळ बांधल्याने बंगालच्या उपसागराच्या वरच्या भागात भारताला नवीन सामरिक ताकद मिळेल. याचा अर्थ असा की हल्दियामध्ये तळ स्थापन केल्याने, भारतीय नौदल येथेही त्यांच्या अत्याधुनिक युद्धनौका तयार ठेवू शकेल.

आसाम, बंगाल आणि बिहारमध्ये नवीन लष्करी छावण्या

बांगलादेशमध्ये २०२४ मध्ये एक लोकप्रिय सरकार सत्तेवरून काढून टाकण्यात आले आणि एक नवीन सरकार स्थापन करण्यात आले, ज्यावर अतिरेक्यांच्या दबावाखाली काम केल्याचा आरोप आहे. तेथे भारतविरोधी वातावरण निर्माण करण्याचे प्रयत्न आणि आयएसआय आणि चीनच्या प्रतिनिधींची उपस्थिती वाढल्याने, भारताने पश्चिम बंगाल, बिहार आणि आसामसारख्या जवळच्या राज्यांमध्ये नवीन लष्करी छावण्या स्थापन करण्याचे काम सुरू केले आहे. यामध्ये आसाममधील धुबरी जिल्ह्यात लचित बोरफुकन लष्करी तळ बांधणे, बिहारमधील किशनगंज आणि पश्चिम बंगालमधील चोप्रा येथे नवीन अग्रेषित तळ बांधणे समाविष्ट आहे.

लष्कर आणि हवाई दलाने आधीच त्यांच्या तैनाती वाढवल्या आहेत

लष्करी तज्ञांचे म्हणणे आहे की सिलिगुडी कॉरिडॉरवरील आव्हाने पाहता अशी पावले उचलणे आवश्यक आहे. सिक्कीम-सिलिगुडी कॉरिडॉर (तथाकथित चिकन नेक कॉरिडॉर) च्या सुरक्षेसाठी प्रामुख्याने जबाबदार असलेल्या भारतीय लष्कराच्या त्रि-शक्ती कॉर्प्सने आधीच त्यांची तैनाती वाढवली आहे. शिवाय, जवळच्या हाशिमारा हवाई तळावर राफेल जेट, ब्रह्मोस क्षेपणास्त्रे आणि प्रगत हवाई संरक्षण प्रणाली तैनात करण्यात आल्या आहेत. शिलाँगमधील हवाई दलाचे पूर्व हवाई कमांड भारतीय हवाई दलाचे पूर्व हवाई कमांड आधीच मेघालयातील शिलाँग येथे आहे. त्यांच्या कार्यक्षेत्रात सात ईशान्येकडील राज्ये, सिक्कीम, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड आणि ओडिशाचे काही भाग यासह १२ राज्ये समाविष्ट आहेत. त्यांच्या जबाबदारीत चीन, नेपाळ, भूतान, म्यानमार आणि बांगलादेशसह ६,३०० किलोमीटर लांबीची प्रत्यक्ष नियंत्रण रेषा (LAC) समाविष्ट आहे.

जर देशात लव्ह जिहाद होत असेल तर संसदेत डेटा द्या. भागवत आणि भाजपने त्याची व्याख्याही द्यावी: ओवेसी

नवी दिल्ली. व्हेनेझुएलावरील अमेरिकेच्या हल्ल्यानंतर, इराण हे अमेरिकेचे पुढचे लक्ष्य असू शकते अशी अटकळ जोरात आहे. दरम्यान, भारताचे पंतप्रधान नरेंद्र मोदी आणि इस्रायलचे पंतप्रधान बेंजामिन नेतन्याहू यांनी फोनवर चर्चा केली. पंतप्रधान मोदींनी सोशल मीडिया पोस्टमध्ये या महत्त्वाच्या संभाषणाची माहिती शेअर केली. पंतप्रधान मोदी म्हणाले की त्यांना त्यांचे मित्र, पंतप्रधान बेंजामिन नेतन्याहू यांच्याशी बोलून आनंद झाला आणि त्यांना आणि इस्रायलच्या लोकांना नवीन वर्षाच्या शुभेच्छा दिल्या. येत्या वर्षात भारत-इस्रायल धोरणात्मक भागीदारी आणखी मजबूत करण्याच्या मार्गांवर त्यांनी चर्चा केली. त्यांनी पुढे सांगितले की त्यांनी प्रादेशिक परिस्थितीवरही विचारांची देवाणघेवाण केली आणि दहशतवादाविरुद्ध अधिक जोमाने लढण्याचा त्यांचा सामायिक संकल्प पुन्हा व्यक्त केला. पंतप्रधान मोदी आणि बेंजामिन नेतन्याहू यांच्यातील ही चर्चा अशा वेळी झाली आहे जेव्हा जागतिक राजकारण गोंधळात आहे.

ट्रम्पचे पुढचे लक्ष्य इराण असेल का?

इतिहासात पहिल्यांदाच, एखाद्या राष्ट्राध्यक्षाला त्याच्याच देशात अटक करण्यात आली आहे, परदेशात नेण्यात आले आहे आणि त्याच्यावर खटला दाखल करण्यात येत आहे. हे पराक्रम अमेरिकेचे अध्यक्ष डोनाल्ड ट्रम्प यांनी केले. व्हेनेझुएलाचे राष्ट्राध्यक्ष निकोलस मादुरो यांना अटक करण्यासाठी त्यांनी त्यांचे कमांडो सैन्य पाठवले. ट्रम्प यांनी मादुरोवर अमेरिकेत बेकायदेशीरपणे ड्रग्ज आणि बंदुका तस्करी केल्याचा आरोप केला आहे. व्हेनेझुएलाचा बालेकिल्ला कोसळल्यानंतर, आता असे मानले जात आहे की ट्रम्पच्या एकतर्फी कृतींचा पुढचा बळी इराण असू शकतो. इराण आणि इस्रायलमधील संघर्षादरम्यान अमेरिकेने अलीकडेच इराणवर बॉम्बहल्ला केला होता, त्यामुळे ट्रम्पने इराणविरुद्ध कारवाई केली तर आश्चर्य वाटणार नाही.

इस्रायल नेहमीच भारताच्या पाठीशी उभा राहिला आहे भारत आणि इस्रायलचे नेहमीच चांगले संबंध राहिले आहेत आणि गरज पडल्यास इस्रायल नेहमीच भारताच्या पाठीशी उभा राहिला आहे हे लक्षात घेण्यासारखे आहे. इस्रायलने भारताला सातत्याने अत्याधुनिक शस्त्रे पुरवली आहेत. शिवाय, संयुक्त राष्ट्रांपासून ते इतर आंतरराष्ट्रीय संघटनांपर्यंत विविध जागतिक संस्थांमध्ये इस्रायलने भारताला उघडपणे पाठिंबा दिला आहे.

तुर्कमान गेटवर बुलडोझर का वापरण्यात आला? मध्यरात्री दगडफेकीनंतर पोलिस कारवाई, ५ जणांना अटक, सपा खासदाराची नावे

नवी दिल्ली. राष्ट्रीय राजधानीत बुलडोझर कारवाईदरम्यान रात्री उशिरा झालेल्या गोंधळावरून सुरू असलेला गोंधळ वाढत असल्याचे दिसून येत आहे. रामलीला मैदान परिसरातील फैज-ए-इलाही मशिदीजवळ अतिक्रमणविरोधी मोहिमेदरम्यान ही घटना घडली. न्यायालयाच्या आदेशानंतर, दिल्ली महानगरपालिकेचे पथक मशिदीलगतच्या जमिनीवरील आणि जवळच्या कब्रस्तानवरील अतिक्रमण हटविण्यासाठी पोहोचले. यादरम्यान, काही लोकांनी पोलिसांवर दगडफेक केली. पोलिसांनी आता विविध कलमांखाली गुन्हे दाखल केले आहेत आणि त्यांची कारवाई तीव्र केली आहे. सपा खासदारासह पाच जणांना अटक करण्यात आली आहे. तुर्कमान गेट प्रकरणात कारवाई, ५ जणांना अटक जुन्या दिल्लीत अतिक्रमणविरोधी कारवाईदरम्यान दगडफेक झाली. काही लोकांनी तुर्कमान गेटजवळ हिंसाचार भडकवण्याचा प्रयत्न केल्याचे पोलिसांनी सांगितले. दंगलखोरांनी काचेच्या बाटल्या फेकल्या, त्यात किमान पाच पोलिस जखमी झाले. मंगळवारी रात्री उशिरा घडलेल्या या घटनेप्रकरणी पोलिसांनी एफआयआर दाखल केला आहे आणि पाच आरोपींना अटक केली आहे. दगडफेकीत सहभागी असलेल्यांची ओळख पटवण्याचे प्रयत्न सुरू असल्याचे एका पोलिस अधिकाऱ्याने सांगितले. हिंसाचार आपोआप झाला की तोडफोड मोहिमेत व्यत्यय आणण्याचा पूर्वनियोजित प्रयत्न होता याचाही पोलिस तपास करत आहेत. पोलिसांनी या प्रकरणाचा तपास सुरू केला आहे. वरिष्ठ पोलिस अधिकाऱ्यांनी सांगितले की, दंगलखोरांची ओळख पटवण्यासाठी सोशल मीडियावर फिरणाऱ्या सीसीटीव्ही फुटेज आणि व्हिडिओ क्लिप्सचे विश्लेषण केले जात आहे. शिवाय, साक्षीदार आणि ताब्यात घेतलेल्या व्यक्तींचे जबाब नोंदवले जात आहेत.

भारतीय दंड संहिता (IPC) च्या कलम 221 (सार्वजनिक सेवकाला त्याच्या सार्वजनिक कार्यात अडथळा आणणे), 132 (सार्वजनिक सेवकाला त्याचे कर्तव्य बजावण्यापासून रोखण्यासाठी हल्ला किंवा गुन्हेगारी बळजबरी), 121 (सार्वजनिक सेवकाला त्याचे कर्तव्य बजावण्यापासून रोखण्यासाठी स्वेच्छेने दुखापत करणे), 191 (दंगल), 223 (A) (सार्वजनिक सेवकाने रीतसर जारी केलेल्या आदेशाचे उल्लंघन) आणि 3(5) (संयुक्त दायित्व).

शत्रूचे ड्रोन हवेतच नष्ट केले जातील; भारत मिशन सुदर्शन चक्र अंतर्गत एक विशेष ग्रिड तयार करत आहे

नवी दिल्ली. ऑपरेशन सिंदूरनंतर, भारतीय लष्कर, हवाई दल आणि नौदल त्यांच्या क्षमता वाढवण्यासाठी सतत प्रयत्नशील आहेत. या संदर्भात, भारतीय सशस्त्र दल एक संयुक्त मानवरहित हवाई प्रणाली (CUAS) ग्रिड विकसित करत आहेत जी तिन्ही सेवांमध्ये ड्रोनविरोधी क्षमता एकत्रित करेल. या ग्रिडच्या निर्मितीमुळे हवेतच सर्व शत्रू ड्रोन नष्ट होतील याची खात्री होईल. हे CUAS ग्रिड इंटिग्रेटेड एअर कमांड अँड कंट्रोल सिस्टम (IACCS) सारख्या विद्यमान हवाई संरक्षण नेटवर्कपेक्षा पूर्णपणे वेगळ्या पद्धतीने कार्य करेल. अधिकाऱ्यांच्या मते, पारंपारिक हवाई धोक्यांसह लहान ड्रोन ट्रॅक करण्याची जबाबदारी IACCS ला दिल्याने नेटवर्कवर जास्त भार पडेल.

त्याऐवजी, नवीन ग्रिड सेना, नौदल आणि हवाई दलाच्या संयुक्त हवाई संरक्षण केंद्रांना (JADCS) जोडेल आणि कायमस्वरूपी, समर्पित अँटी-ड्रोन नेटवर्क म्हणून काम करेल.

ड्रोन राधी प्रणाली एकत्रित केली जाईल

अधिकाऱ्यांनी या ग्रिडबद्दल माहिती देताना सांगितले की, हे ग्रिड गेल्या पाच ते सहा वर्षांत तिन्ही सेवांनी विकसित केलेल्या अँटी-ड्रोन प्रणाली एकत्रित करेल, ज्यामुळे रिअल-टाइम पाळत ठेवणे आणि कमी उंचीवरील आणि मानवरहित हवाई धोक्यांना त्वरित प्रतिसाद देणे शक्य होईल.

ऑपरेशन सिंदूर नंतर भारत आपली हवाई संरक्षण प्रणाली अधिक मजबूत करत आहे

ऑपरेशन सिंदूर दरम्यान, पाकिस्तानी सैन्याने तुर्की आणि चिनी ड्रोन वापरून भारतीय नागरी आणि लष्करी प्रतिष्ठानांवर हल्ला करण्याचा प्रयत्न केला हे लक्षात घेतले पाहिजे. तथापि, भारतीय लष्कराच्या हवाई संरक्षण युनिट्सनी हे हल्ले वारंवार हाणून पाडले. विशेषतः, L-70 आणि ZU-23 तोफांनी लहान ड्रोनचे मोठे नुकसान केले.

राजनाथ सिंह यांनी हवाई संरक्षण प्रणालीबाबत महत्त्वपूर्ण विधान केले.

DRDO च्या 68 व्या स्थापना दिनानिमित्त त्यांच्या नुकत्याच झालेल्या भेटीदरम्यान, संरक्षण मंत्री राजनाथ सिंह यांनी सांगितले की, DRDO हा उपक्रम राबविण्यात महत्त्वाची भूमिका बजावेल. पुढील दशकात हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करण्यासाठी महत्त्वाच्या प्रतिष्ठानांना हवाई संरक्षण प्रणालींनी सुसज्ज करण्याचे काम DRDO ला सोपवण्यात आले आहे. येत्या काही वर्षांत DRDO भारताची हवाई संरक्षण प्रणाली आणखी मजबूत करेल.

प्रोस्थेटिक मेकअप से लेकर परफॉर्मेंस तक: अदाह शर्मा का निडर ट्रांसफॉर्मेशन फिर बना चर्चा का विषय

मुंबई। अदाह शर्मा एक बार फिर यह साबित कर रही हैं कि वह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे निडर, समर्पित और बहुमुखी अभिनेत्रियों में क्यों गिनी जाती हैं। हाल ही में सामने आए एक वीडियो में अदाह ने अपने प्रोस्थेटिक ट्रांसफॉर्मेशन की झलक साझा की, जिसमें उनका मेकअप तैयार होने में करीब दो घंटे का वक्त लगता है। यह केवल लुक बदलने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्तर पर किरदार में ढलने की एक कठिन और अनुशासित यात्रा है। वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई यूज़र्स ने लिखा कि वीडियो देखते हुए ही उन्हें घुटन और क्लॉस्ट्रोफोबिक फीलिंग होने लगी। लेकिन अदाह के लिए यह असहजता उनके काम का हिस्सा है—एक ऐसी कीमत, जिसे वह पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ चुकाती हैं। अदाह शर्मा कहती हैं- मुझे खुशी है कि मुझे अलग–अलग तरह के किरदार निभाने का मौका मिल रहा है और फिल्ममेकर्स मुझ पर इतने विविध रोल्स के लिए भरोसा कर रहे हैं। मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली महसूस करती हूं।"

प्रोस्थेटिक मेकअप सिर्फ बाहरी बदलाव तक सीमित नहीं होता। घंटों तक स्थिर बैठना, चेहरे पर परत-दर-परत मेकअप, सीमित मूवमेंट और सांस लेने में तकलीफ—यह सब जबरदस्त धैर्य, सहनशक्ति और एकाग्रता की मांग करता है। अदाह के लिए यह मेहनत कहानी कहने की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है। यही वह समय होता है, जब वह खुद को पीछे छोड़कर किरदार को पूरी तरह अपना लेती हैं। उनकी यह प्रतिबद्धता पहले भी दर्शकों को चौंका चुकी है। द केरल स्टोरी के जेल सीक्वेंस में दिखा उनका तीव्र और दर्दनाक ट्रांसफॉर्मेशन हो या उनकी डेब्यू फिल्म 1920, अदाह हर बार अपनी परफॉर्मेंस से गहरी छाप छोड़ने में सफल रही हैं। सनफ्लावर सीज़न 2 में ग्लैमरस बार डांसर से लेकर बस्तर में सख्त और दमदार पुलिस अधिकारी तक, हर किरदार में उन्होंने खुद को पूरी तरह बदल दिया। अदाह शर्मा आसान रास्ता नहीं चुनतीं। वह सच्चाई, चुनौती और गहराई को प्राथमिकता देती हैं। परफॉर्मेंस-ड्रिवन सिनेमा, एक्सपेरिमेंटल रोल्स और कॉमेडी हर शैली में उनकी मौजूदगी असरदार रही है। मेकअप चेयर पर बिताए गए ये दो घंटे दरअसल एक बड़ी कहानी का हिस्सा हैं- अनुशासन, साहस और उस कलाकार की कहानी, जो हर किरदार के लिए खुद को पूरी तरह झोंक देने का माद्दा रखती है। अब सवाल यही है कि यह ट्रांसफॉर्मेशन किस नए और दमदार किरदार की आहट है? अगर अदाह शर्मा का अब तक का सफर कुछ कहता है, तो जवाब साफ है-हाँ, और वह भी पूरी ताकत के साथ।

सरनेम नहीं, संघर्ष पहचान है: काशिका कपूर ने 'कपूर' नाम को दी नई परिभाषा

अनिल बेदाग

मुंबई। भारतीय सिनेमा में 'कपूर' एक ऐसा सरनेम है, जो दशकों से विरासत, प्रतिष्ठा और पहचान का प्रतीक रहा है। लेकिन आज इसी नाम को काशिका कपूर अपनी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के ज़रिये एक नया अर्थ दे रही हैं। काशिका स्पष्ट शब्दों में कहती हैं, "मेरे नाम में 'कपूर' कभी कोई चुनाव नहीं था। यह मेरा जन्म का नाम है, जो मुझे मेरी माँ से मिला है। इसमें कुछ भी गढ़ा हुआ नहीं था। उनके लिए यह सरनेम किसी चर्चा या धारणा का विषय नहीं, बल्कि एक निजी और भावनात्मक पहचान है। वह आगे जोड़ती हैं, यह नाम मेरी माँ की ताकत, उनके संस्कार और उनके आशीर्वाद को अपने भीतर समेटे हुए है। मैं इन्हीं मूल्यों के साथ आगे बढ़ती हूँ।" जहाँ अक्सर किसी सरनेम को फ़िल्मी विरासत और बैकग्राउंड से जोड़कर देखा जाता है, वहीं काशिका कपूर की यात्रा पूरी तरह आत्मनिर्मित रही है। अनुशासन, धैर्य और निरंतर सीखने की प्रक्रिया ने उनके सफ़र को आकार दिया है।

"मेरा सफ़र पूरी तरह मेरा अपना रहा है। मैं स्वनिर्मित हूँ और इस पर मुझे गहरा गर्व है," वह आत्मविश्वास के साथ कहती हैं। आज काशिका कपूर अलग-अलग भाषाओं और फ़िल्म इंडस्ट्रीज़ में अपने काम का विस्तार कर रही हैं। उनका फोकस सफ़ाई देने या तुलना में उलझने के बजाय विकास और निरंतर प्रगति पर है। उनके करियर के चुनाव सोच-समझकर किए गए हैं, उनकी गति स्थिर है और उनकी मौजूदगी पहले से कहीं अधिक परिपक्व और सशक्त दिखाई देती है। काशिका कहती हैं- मैं चाहती हूँ कि मुझे मेरे अभिनय और उन कहानियों के लिए जाना जाए जिन्हें मैं चुनती हूँ। नाम लोगों की जिज्ञासा ज़रूर बढ़ा सकते हैं, लेकिन लंबी दौड़ में टिकता वही है, जिसका काम मज़बूत होता है।आज के उस दौर में, जहाँ दृश्यता अक्सर सार से ज़्यादा शोर पैदा करती है, काशिका कपूर अपनी शालीनता, ज़मीन से जुड़े दृष्टिकोण और स्पष्ट सोच के कारण अलग नज़र आती हैं। उनका सफ़र यह याद दिलाता है कि पहचान जब आत्मविश्वास और मेहनत के साथ गढ़ी जाए, तो उसे बार-बार साबित करने की ज़रूरत नहीं होती—वह अपने आप कायम रहती है।

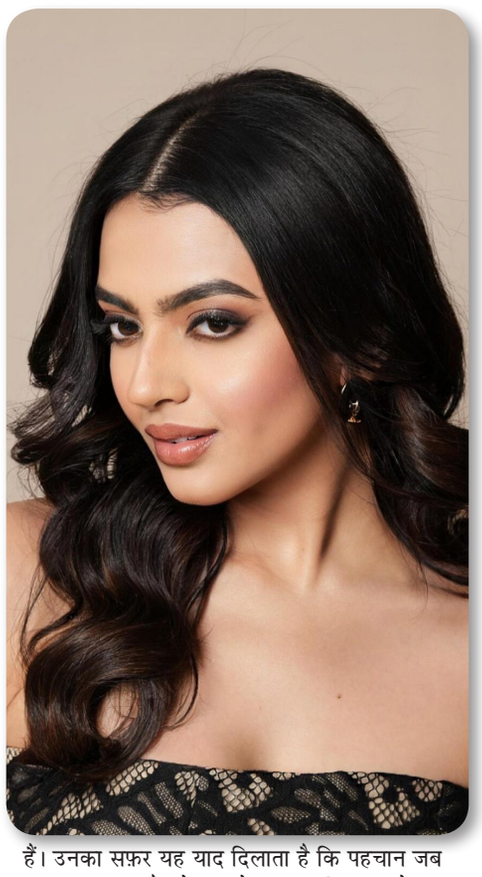

20 साल पहले रानी मुखर्जी बनीं 'दुल्हन', पहना चमचमाता भारी- भरकम लहंगा

जब दुल्हन बनने की बात आती है तो बॉलीवुड की सारी एक्ट्रेस एक भी कसर नहीं छोड़ती हैं। फिर चाहे वो शादी रियल लाइफ में कर रही हो या किसी फिल्म के लिए, हसीनाओं के ब्राइडल लुक देखते बनते हैं। लेकिन रानी मुखर्जी एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने अपने ब्राइडल लुक की एक भी झलक अभी तक नहीं दिखाई है। तभी रानी के फैंस सालों से बस एक ही सवाल कर रहे हैं कि एक्ट्रेस अपनी शादी की फोटो कब शेयर करेंगी।

रानी ने वेडिंग फोटो तो नहीं दिखाई लेकिन वो अपनी शादी में कितनी सुंदर लगीं होंगी इस बात का अंदाजा आप उनके 20 साल पुराने ब्राइडल लुक से लगा सकते हैं। यह लुक उन्होंने फिल्म 'कभी अलविदा न कहना' में 'माया तलवार' का किरदार निभाने के लिए लिया था। ऊपर से नीचे तक चमचमाते लहंगे में रानी को देख सभी दीवाने हो गए थे। वैसे एक्ट्रेस ने यह लहंगा पहना तो 20 साल पहले था पर आज भी उनका लुक देख लड़कियों की नजरें चमचमा उठेंगी। आप भी देखें रानी के ब्राइडल लुक की सुंदर तस्वीरें। भारत में सालों से लड़कियां शादी का जोड़ा लाल रंग का ही चुनती आ रही हैं। इस रंग को सुहागन का रंग माना जाता है। वैसे तो दुल्हन पिंक और पेस्टल कलर लहंगों में भी दिखती हैं, लेकिन लाल रंग ब्राइडस के दिल में एक अलग ही जगह रखता है। रानी ने भी पर्दे पर दुल्हन बनने के लिए लाल रंग का ही लहंगा चुना था।

सुबह खाली पेट गट-गटकर पिएं 20 से 25 पत्तों से बनी ड्रिंक, रूखी त्वचा से डैंड्रफ तक.. हर समस्या का सस्ता इलाज

त्वचा और बाल दोनों की ही समस्याएं सर्दियों में कई गुना ज्यादा बढ़ जाती हैं। ये परेशानियां आमतौर पर किसी एक मौसम से जुड़ी हुई नहीं होती है, मगर सर्दियों को आप ऐसे समझ सकते हैं कि इस समय में सभी परेशानियां अपने जोरों पर होती हैं। ऐसे में त्वचा ड्राई होकर फटने लगती हैं और बालों के झड़ने की समस्या तो लगभग हर किसी को परेशान करती हैं। अगर समस्याएं दो अलग तरह की हैं, तो इनसे निपटने के तरीके भी अलग होते हैं। जैसे कि चेहरे के लिए क्रीम और अन्य प्रोडक्ट्स होते हैं। वहीं, बालों के लिए शैंपू और कंडीशनर जैसी चीजें होती हैं। अब जितने प्रोडक्ट्स होते हैं, उतना ही खर्चा बढ़ जाता है। लोग अपने चेहरे और बालों के लिए इतना रिस्क लेने को तैयार भी हो जाते हैं। मगर ये काम करेगा या नहीं, इस बात की कोई गारंटी नहीं होती है।

प्रोडक्ट्स काम ना करे तो क्या करें?

अगर आपके चेहरे और बालों की समस्याओं से निपटने के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट्स सही तरह से काम नहीं करते हैं, तो अक्सर लोग इन चीजों को भगवान के भरोसे छोड़ देते हैं कि हम अपनी तरह से कोशिश कर चुके हैं। अगर पैसे लगाने के बाद फायदा नहीं हो रहा है, तो इसमें हमारी गलती नहीं है।

ड्रिंक बनाने में इस्तेमाल सामग्री

आंवला
अदरक
करी पत्ते
(नोटः सामग्री की मात्रा जरूरत के हिसाब से तय करें)

ड्रिंक बनाने की विधि

इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको आंवले को धोकर टुकड़ों में काट लेना है। इसके बाद आपको 1-2 इंच अदरक को छीलकर काट लेना है। इन दोनों चीजों को मिक्सी में डालकर पानी में मिला लें। आपको इन सभी चीजों को अच्छे से पीस लेना है। इस तरह हरे रंग का ड्रिंक बनकर तैयार हो जाएगा। आपको इस ड्रिंक को सुबह-सुबह खाली पेट पीना है। इससे बालों और त्वचा दोनों को फायदा होगा।

आंवला के फायदे

डॉक्टर शिल्पा ने अपनी वीडियो में बताया कि आंवला के अंदर विटामिन सी की अच्छी मात्रा होती है।इससे स्किन पर नेचुरल ग्लो आता है। ये त्वचा को मुंहासे, दाग-धब्बों और उम्र से पहले दिखने वाले एजिंग के निशानों को कम करता है। साथ ही, ये ड्रिंक बालों की जड़ों को मजबूत करता है, हेयर फॉल को कम करता है और इन्हें जल्दी सफेद होने से बचाता है।

अदरक के फायदे

बता दें कि अदरक में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं। ये स्किन की सूजन को कम करने में मदद करती है और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाती है। इससे त्वचा में नेचुरल चमक आती है और मुंहासों जैसी समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। वहीं, अगर बालों की बात करें, तो अदरक स्कैल्प में ब्लड फ्लो को बढ़ा देता है, जिससे हेयर ग्रोथ बढ़ती है और रूसी जैसी समस्या से बचने में मदद मिलती है।

करी पत्ते के फायदे

करी पत्तों में आयरन, विटामिन-ए, बी और सी की अच्छी मात्रा होती है। इससे स्किन को हेल्दी और क्लियर बनाने में मदद मिलती है। ये शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर त्वचा को फ्रेश दिखाने में मदद करते हैं। साथ ही, करी पत्ते बालों को जड़ों से मजबूत बनाते हैं, हेयर फॉल कम करते हैं और बालों की नेचुरल चमक को बनाए रखते हैं।

फ्रिज में पड़े मटर से लगाओ देसी जुगाड़, मुंह पर रगड़ते ही चमक उठेगी त्वचा

त्वचा से जुड़ी समस्याएं व्यक्ति को बहुत ज्यादा परेशान कर देती हैं। आमतौर पर ये परेशानियां किसी को भी अपना शिकार बना सकती हैं। मगर पुरुषों के मुकाबले महिलाएं इन समस्याओं पर ज्यादा ध्यान देती हैं और इनसे बचने की कोशिश में लगी रहती हैं। यही कारण है कि महंगे से महंगे पार्लर कभी नुकसान का सामना नहीं करते हैं। पार्लर एक ऐसी जगह है, जहां महिलाएं 50 रूपए की थ्रेडिंग करवाने के लिए जाते हैं और 2500 का फेशियल करवाकर बाहर निकलती हैं। अब पार्लर वाली दीदी की मार्केटिंग बहुत अच्छी होती है या फिर वो किसी तरह के टोटके लगाकर महिलाओं को एक काम के साथ 2 चीजें और करवाने के लिए मना लेती हैं। इस बात का जवाब देना थोड़ा नहीं काफी मुश्किल है।

फेशियल से निखरती है त्वचा?

अब जब हजारों फेशियल में हर कोई खर्च कर रहा है, तो सबके मन में यही सवाल आता है कि क्या ये फेशियल त्वचा के लिए इतने फायदेमंद होते हैं और क्या इस तरह चेहरे को निखारा जा सकता है? आइए इस बारे में विस्तार से जान लेते हैं। इस सवाल का जवाब मिला-जुला होता है। दरअसल, पार्लर वाले फेशियल में कई तरह के केमिकल्स को मिलाया जाता है। ये केमिकल त्वचा को कई तरह से फायदे देते हैं। हालांकि, ये फायदे लंबे समय तक नहीं टिकते हैं। आप एक बार फेशियल करवा लेते हैं, तो अगले 1 हफ्ते आपको इसका असर नजर आएगा। इसके बाद आपकी त्वचा पहले जैसी हो जाती है और अगर फेशियल सूट नहीं किया हो तो पहले से ज्यादा खराब भी हो जाती है।

बिना केमिकल्स के नहीं आता निखार?

कई लोगों के मन में सवाल आएगा कि चेहरे को चमकाने के लिए क्या इन केमिकल्स से होने वाले टॉर्चर से गुजरना जरूरी होता है क्या? आपके इस सवाल का जवाब 'नहीं' है। आप बिना केमिकल्स के भी त्वचा का ख्याल रख सकते हैं। दरअसल, आजकल लोगों का झुकाव ऑर्गेनिक और नेचुरल चीजों की तरफ ज्यादा यही कारण है कि बाजार में कई नेचुरल प्रोडक्ट्स भी मौजूद हैं। हालांकि, आप किस प्रोडक्ट पर भरोसा कर सकते हैं और किस पर नहीं, ये कहा नहीं जा सकता है। कई लोग लिखने के लिए नेचुरल लिख देते हैं। मगर उनमें भर-भरकर केमिकल्स का इस्तेमाल हुआ होता है।

घर पर कैसे पाएं पार्लर वाला निखार?

अगर आप बाजार के प्रोडक्ट्स पर भूसा नहीं कर पा रही हैं, तो कोई बात नहीं।

आप घर बैठकर खुद ही अपनी त्वचा को निखार सकते हैं। इसके लिए आपको केमिकल्स को कोई जरूरत नहीं है। अगर आपके पास आधे घंटे का समय है, तो आपका काम फ्रिज में पड़ी सिर्फ मटर से ही बन जाएगा।

जी हां, ये सुनने में बहुत अजीब लग सकता है, लेकिन आप मटर की मदद से चेहरे को निखार सकती हैं। इस बेहतरीन देसी नुस्खे के बारे में जानकारी युट्यूबर अक्षरा वर्मा ने अपनी एक वीडियो में दी है। आइए अब मटर के इस नुस्खे के बारे में जान लेते हैं। आप मटर के देसी नुस्खे को बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी मटर को छील लें। अगर पहले से छिली हुई रखी है, तो आपका थोड़ा समय बच जाएगा। अब आपको इस मटर को 15 मिनट के लिए धीमी आंच पर उबाल लेना है। इसके उबलने के बाद मटर को कुछ देर के लिए ठंडा होने दें। अब आपको इस मटर को फोड़ लेना है। अगर फोड़ने से पेस्ट नहीं बन पा रहा है, तो आप इसे मिक्सी में भी पीस सकते हैं। इस तरह आपका मटर का मास्क बनकर तैयार हो जाएगा।

हार्ट अटैक आने पर 1-1 सेकंड हो जाता है कीमती, वक्त बर्बाद किए बिना 6 काम से बचाएं जान

हार्ट अटैक जानलेवा बन सकता है। इसके आने पर कई बार मरीज को कुछ सोचने-समझने का वक्त ही नहीं मिलता। लेकिन अगर आप उन खुशनसीब लोगों में से हैं, जो हार्ट अटैक के लक्षणों को समझ पा रहे हैं और अकेले हैं तो 6 काम करके जान बचा सकते हैं। इन्हें करने में आपको जरा सा भी वक्त नहीं लगाना चाहिए और जितने काम पूरे कर सकते हैं, उतने कर लेने चाहिए। डॉक्टर जुबेल अहमद ने बताया कि हार्ट अटैक रोकने के लिए कई सारे उपाय वायरल हैं। लेकिन आपको बता दें कि साइंस ने ऐसा कोई भी तरीका अप्रूव नहीं किया है, जिसे अपनाकर हार्ट अटैक को रोका जा सके। इसलिए कफ सीपीआर का इस्तेमाल, सांस पोकना, पानी पीना या कमर के बल सीधा लेट जाने जैसे काम में समय बर्बाद ना करें। क्योंकि इस वक्त टाइम ही सबसे कीमती चीज है।

डॉक्टर जुबैर बताते हैं कि अगर आपको हार्ट अटैक के लक्षण महसूस हों तो तुरंत 6 काम करें। दिल का दौरा आने पर अक्सर सीने में तेज दर्द या दबाव, लेफ्ट हाथ, जबड़े या पीठ तक जाने वाला दर्द, सांस फूलना, ठंडे पसीने आना, जी मिचलाना, चक्कर आना, बेवजह एंग्जायटी होना शामिल है।

सबसे पहले इमरजेंसी सर्विस को कॉल

तुरंत अपने लोकल इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें ताकि एंबुलेंस और बुनियादी मेडिकल सर्विस पहुंच सके। ऑपरेटर को अपने लक्षण साफ साफ बताएं और जबतक ना कहा जाए कॉल ना काटें। उनकी गाइडेंस को ढंग से फॉलो करें।

दूसरा और तीसरा काम

एस्पिरिन की एक गोली चबाकर निगल लें। चबाने से यह तेजी से काम करती है और ब्लड क्लॉट को बनने से रोकती है।

इसके अलावा तीसरा काम आराम करना है। सही आरामदायक पोजीशन में बैठ जाएं। चक्कर आने या सिर घूमने पर करवट लेकर लेट जाएं और घुटनों को थोड़ा मोड़ लें। चलना, सीढ़ी चढ़ना या मेहनत वाला काम ना करें।

सपोर्ट के लिए बुलाएं

किसी फैमिली मेंबर, दोस्त या पड़ोसी को मदद के लिए बुलाएं। उन्हें साफ साफ बताएं कि आपको हार्ट अटैक की आशंका हो रही है। वो डॉक्टरी मदद आने तक आपकी हालत पर नजर बनाए रख सकते हैं।

पांचवा और छठा

अगर संभव है और आपकी हालत है तो आपको घर के अंदर आने का फ्रंट डोर खोलकर रखना चाहिए ताकि मदद जल्दी आ सके। इसके अलावा आपको शांत रहने की कोशिश करनी चाहिए। गहरी सांसें लें, क्योंकि पैनिक करने से दिल पर जोर पड़ता है और ऑक्सीजन की भरपाई नहीं हो पाती।

ये काम ना करें

लक्षणों को नजरअंदाज ना करें
कोई घरेलू उपाय या वायरल 'कफ ट्रिक' ना आजमाएं
गंभीर लक्षण होने पर वाहन चलाकर ना जाएं

डिस्क्लेमर: लेख में दिए गए नुस्खे की जानकारी व दावे पूरी तरह से इंस्टाग्राम पर प्रकाशित रील पर आधारित हैं। अखबार इसकी सत्यता, सटीकता और असर की जिम्मेदारी नहीं लेता है। किसी भी तरह के नुस्खे को आजमाने से पहले किसी एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

ज्यादातर 6 लोगों की आंखों की रोशनी पर 'ग्रहण' बनता है ग्लूकोमा, छीन लेता है 'सुंदर दुनिया'

यह दुनिया बहुत सुंदर है और इसकी सुंदरता को केवल आंखों से देखा जा सकता है। अगर समय पर ग्लूकोमा की पहचान और इलाज ना हो तो यह हमेशा के लिए आंखों की रोशनी छीन सकती है। आंखों की यह समस्या किसी को भी हो सकती है, लेकिन कुछ लोगों को इसका खतरा बहुत ज्यादा होता है। इन लोगों को रेगुलर आई स्क्रीनिंग की जरूरत होती है। नई दिल्ली के विजन आई क्लीनिक और लाजपत नगर के आई 7 हॉस्पिटल में सीनियर कैटेरेक्ट और रेटिना सर्जन डॉक्टर पवन गुप्ता के मुताबिक इस तरीके से हाई रिस्क लोगों में बीमारी को शुरुआत में ही पकड़ा जा सकता है और ऑप्टिक नर्व को परमानेंट डैमेज होने से बचा सकते हैं। आइए जानते हैं कि किन लोगों को ग्लूकोमा से ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

फैमिली हिस्ट्री

अगर आपके परिवार में किसी को ग्लूकोमा हुआ है तो यह आपके लिए भी खतरा खड़ा कर देता है। जिन लोगों के माता-पिता, बहन-भाई या करीबी रिश्तेदारों को ग्लूकोमा हुआ है, उन्हें भविष्य में इस समस्या के होने का खतरा बना रहता है। इन लोगों के लिए रुटीन आई एग्जामिनेशन बहुत जरूरी है, चाहे इन्हें कोई समस्या भी ना हो तब भी।

डायबिटीज

डायबिटीज पेशेंट्स को भी ज्यादा खतरा होता है। क्योंकि डायबिटीज की वजह से आंखों की रक्त वाहिकाएं प्रभावित होती हैं और इंट्राओक्यूलर प्रेशर बढ़ जाता है, जिससे ग्लूकोमा बनता है। अनियंत्रित ब्लड शुगर से ग्लूकोमा का खतरा और ज्यादा बढ़ जाता है।

मायोपिया से पीड़ित

मायोपिया के मरीजों को भी ग्लूकोमा का ज्यादा खतरा रहता है। इस कंडीशन में दूर की चीजें धुंधली दिखने लगती हैं। बहुत ज्यादा मायोपिया होने पर आंखों के अंदर स्ट्रक्चरल बदलाव ऑप्टिक नर्व और फ्लूइड ड्रेनेज को प्रभावित करता है। जिससे प्रेशर से जुड़ा डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है।

आंखों की चोट

जिन लोगों को आई ट्रॉमा हुआ हो या पिछली कोई चोट हो, उन्हें भी ग्लूकोमा का खतरा हो जाता है। इन लोगों को रेगुलर आई स्क्रीनिंग करवानी चाहिए। चोट या सर्जरी से आंखों के नॉर्मल फ्लूइड आउटफ्लो से वक्त के साथ आई प्रेशर भी बढ़ जाता है।

स्टेरोइड या एंटीसाइकोटिक दवा

स्टेरॉइड या कुछ एंटीसाइकोटिक दवा का लंबे समय से सेवन करने वाले लोगों को भी ग्लूकोमा का ज्यादा खतरा रहता है। खासतौर से जब डॉक्टरी देखरेख के बिना इन दवाओं का सेवन किया जाता है तो इंट्राओक्यूलर प्रेशर बढ़ जाता है।

आंख का कॉन्जेनिटल मालफॉर्मेशन

जिन लोगों को आंख में जन्मजात विकार होता है, उन्हें आगे जाकर ग्लूकोमा का खतरा ज्यादा होता है। क्योंकि आंखों के असामान्य विकास से जन्म से या बचपन से पूरे फ्लूइड ड्रेनेज पर असर पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से झांसी मंडल के उद्यमों और युवाओं को मिलेगा नया संबल: मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में मंडलीय उद्योग बंधु की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें औद्योगिक विकास, निवेश प्रोत्साहन और रोजगार सृजन से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में मंडलायुक्त ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना को उद्यम क्षेत्र के सेवा प्रदाताओं और कर्मचारियों के लिए 'संजीवनी' बताते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत ३.५ करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन में सहायता मिलेगी, जिस पर लगभग ९९,४४६ करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की जाएगी। उन्होंने बताया कि नवयुवकों के लिए ३१ जुलाई २०२७ तक पोर्टल पर पंजीकरण कराने का सुनहरा अवसर है और सभी उद्यमियों से इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। मंडलायुक्त ने स्पष्ट किया कि झांसी मंडल में एमओयू (समझौता ज्ञापन) का प्रभावी क्रियान्वयन शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित ऑनलाइन आवेदनों की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवेदन निर्धारित समय-सीमा में निस्तारित किए जाएं, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। औद्योगिक इकाइयों में पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन पर जोर देते हुए मंडलायुक्त ने जनपद झांसी में स्थित क्रशर इकाइयों में एयर क्वालिटी इंडेक्स के मानकों के अनुरूप कार्रवाई करने तथा सभी औद्योगिक इकाइयों में एयर कंट्रोल एक्ट गाइडलाइन का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी को दिए। बैठक में स्टार्टअप योजना के अंतर्गत नगर निगम झांसी द्वारा संचालित 'राइज झांसी इनक्यूबेशन सेंटर' की प्रगति की जानकारी दी गई, जिसमें बताया गया कि अब तक ४२ स्टार्टअप पंजीकृत हैं, जिनमें से ३२ स्टार्टअप का एमएसएमई रजिस्ट्रेशन, १७ का जीएसटी पंजीकरण और ११ का ओएनडीसी पर पंजीकरण पूरा हो चुका है। इसके अलावा औद्योगिक आस्थान चंदेरा, ललितपुर में शेड की ऊंचाई बढ़ाने, स्वतंत्र विद्युत फीडर की स्थापना और औद्योगिक स्थापना से संबंधित आवश्यक अनुमतियों के लिए संयुक्त आयुक्त उद्योग को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। यह भी बताया गया कि फिलहाल गल्ला मंडी, ललितपुर से विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रैन बसेरों का निरीक्षण कर जरूरतमंदों में बांटे कंबल

संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर महानगर के बरगदवा और राप्तीनगर स्थित दो अस्थायी रैन बसेरों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की तथा रैन बसेरों में ठहरे जरूरतमंद लोगों को कंबल और भोजन वितरित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने रैन बसेरों में रह रहे लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं और सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया, जिस पर लोगों ने संतोष व्यक्त करते हुए भीषण शीतलहर में बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए सरकार के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में जिला प्रशासन, नगर निगम और अन्य स्थानीय निकायों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी व्यक्ति खुले में, फुटपाथ या पटरियों पर सोने के लिए मजबूर न हो, बल्कि उसे रैन बसेरों में सम्मानजनक और सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि शीतलहर से जनता की सुरक्षा के लिए सभी जिलों को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है और युद्धस्तर पर रैन बसेरों का संचालन, कंबल व ऊनी वस्त्रों का वितरण तथा सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि अकेले गोरखपुर महानगर में १९ रैन बसेरे संचालित हैं, जहां लगभग एक हजार जरूरतमंदों के ठहरने की अस्थायी व्यवस्था की गई है और सभी रैन बसेरे सुरक्षित व सुव्यवस्थित रूप से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोरखपुर की तर्ज पर प्रदेश के सभी महानगरों और जनपदों में व्यापक स्तर पर रैन बसेरे संचालित किए जा रहे हैं तथा जिला प्रशासन को निर्देश है कि जिन लोगों के पास रहने का कोई स्थायी ठिकाना नहीं है, उन्हें रैन बसेरों तक पहुंचाकर आवश्यक सुविधाएं दी जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयंसेवी संगठनों और धर्मार्थ संस्थाओं से भी अपील की कि वे आगे आकर शीतल हर के दौरान जरूरतमंदों को कंबल और ऊनी वस्त्र वितरित करें, इसे उन्होंने पुण्य और सेवा का कार्य बताया।

राज्य स्तरीय युवा उत्सव में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के छात्र का परचम, सुधांशु त्रिवेदी प्रथम

देवेश प्रताप सिंह राठौर

झांसी/लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी का प्रतिनिधित्व करते हुए फार्मेसी संस्थान के छात्र सुधांशु त्रिवेदी ने प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। माननीय कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में सहभागिता हेतु प्रदान किए जा रहे संस्थागत सहयोग का प्रतिफल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की प्राथमिकता विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम मंचों पर भी निरंतर अवसर उपलब्ध कराना है। कुलपति ने सुधांशु त्रिवेदी को बधाई देते हुए उनके राष्ट्रीय स्तर पर चयन को विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। यह संपूर्ण गतिविधि छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीएसडब्ल्यू) के अंतर्गत संपन्न हुई। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. सुनील कुमार कबिया ने जानकारी दी कि युवा उत्सव के लिए प्रतिभागियों का चयन एवं समन्वय विश्वविद्यालय स्तर पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप किया गया। उन्होंने बताया कि छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा विद्यार्थियों को प्रतियोगिता की तैयारी, पंजीकरण एवं सहभागिता से संबंधित सभी आवश्यक प्रशासनिक सहयोग प्रदान किया गया। राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के पश्चात सुधांशु त्रिवेदी का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जहां वे बुंदेलखंड विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु सभी आवश्यक अनुमतियाँ एवं व्यवस्थाएँ समयबद्ध रूप से की जाती हैं। वहीं वित्त अधिकारी श्री प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि छात्र गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा वित्तीय प्रावधान सुनिश्चित किए जाते हैं, जिससे प्रतिभागियों को किसी भी प्रकार की प्रशासनिक बाधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर श्री अनिल बोहरे, डॉ. अतुल खरे, डॉ. अनुपम व्यास, डॉ. पीयूष भारद्वाज सहित विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारी एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे और छात्र को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।

बदरका गांव में स्थित अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली पर पहुंचे उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक

डॉ अंशुमान अग्निहोत्री

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। बदरका गांव में स्थित अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की जन्मस्थली पर आज उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने चंद्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अवलोकन किया तथा मंच पर पहुंचकर दीप प्रज्वलित किया। इसके साथ ही उन्होंने चंद्रशेखर आज़ाद के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मंच पर पहुंचते ही क्षेत्रीय विधायक एवं भाजपा जिलाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत एवं सम्मान किया। बता दे कि सभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि उन्नाव अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की जन्मस्थली है और देश को आज़ादी दिलाने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि उन्नाव को कलम और तलवार की धरती के नाम से जाना जाता है, जिसने देश को महान स्वतंत्रता सेनानी दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि एक समय ऐसा था जब देश में आतंकवादी घटनाओं के बाद केवल चेतावनी और पत्र लिखने तक ही सीमित रहा जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की नीति बदल चुकी है। अब आतंकवाद के खिलाफ घर में घुसकर एयर स्ट्राइक और सटीक सैन्य अभियानों के जरिए करारा जवाब दिया जा रहा है। देश आज एक नई और मजबूत दिशा में आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

वीबी-जी राम जी पर कांग्रेस कर रही है दुष्प्रचार: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

संवाददाता

जयपुर, राजस्थान। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सीएमओ में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लाया गया विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, २०२५ ग्रामीण रोजगार और आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि वीबी-जी राम जी कानून से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थाई और गुणवत्तापूर्ण संपत्तियों का निर्माण हो सकेगा। यह कानून ग्रामीण रोजगार नीति को विकसित भारत के रोडमैप से जोड़ेगा और राजस्थान को भी इसका भरपूर लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा को ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी देने के उद्देश्य से लाया गया था, लेकिन कांग्रेस सरकार के कमजोर प्रशासन और भ्रष्टाचार के कारण यह अपने लक्ष्य को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं कर सका। इसमें जनता के पैसे का सही उपयोग नहीं हो पा रहा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गलत मंशा के चलते मनरेगा के तहत किए गए अधिकांश कार्य गांवों की समग्र विकास योजनाओं से नहीं जुड़ पाए। इनमें अस्थायी सड़कों, अधूरी जल संरचनाओं और बिना योजना के मिट्टी के कार्य करवाए जाते थे जिनकी कोई दीर्घकालिक उपयोगिता नहीं थी। उन्होंने कहा कि मनरेगा में फर्जी और डुप्लीकेट जॉब कार्ड, नकली लाभार्थी, मनगढ़ंत हाजिरी और मजदूरी भुगतान में अनियमितताओं की जांच पड़ताल के लिए कोई सुदृढ़ व्यवस्था नहीं होने के कारण सोशल ऑडिट केवल औपचारिकता बनकर रह गई। प्रशासनिक व्यय की सीमा मात्र ६ प्रतिशत होने से योजना का प्रभावी क्रियान्वयन संभव नहीं हो पाता था। वहीं, बेरोजगारी भत्ता तथा देरी से भुगतान पर मुआवजे जैसे प्रावधान कागजों तक सीमित रह गए थे। शर्मा ने कहा कि नए वीबी-जी राम जी अधिनियम-२०२५ में इन सभी कमियों को दूर किया गया है। अब सालाना रोजगार की कानूनी गारंटी १०० दिनों से बढ़ाकर १२५ दिन कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि किसान और मजदूर एक-दूसरे के पूरक हैं। कई छोटे किसान खेती भी करते हैं और मजदूरी भी करते हैं। खेती के दिनों में श्रमिकों को अतिरिक्त लाभ मिल सके, इसके लिए राज्य सरकारों को इस कानून में ६० दिनों का कार्य विराम घोषित करने का अधिकार दिया गया है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत जल संसाधन, मुख्य ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका अवसंरचना और आपदा प्रबंधन से जुड़े ठोस व टिकाऊ कार्य कराए जाएंगे। जियो-टैगिंग, सैटेलाइट इमेजरी, मोबाइल ऐप और एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। हर छह माह में डिजिटल तथ्यों के साथ सोशल ऑडिट अनिवार्य होगी। इसके साथ ही, निश्चित समय-सीमा वाली डिजिटल बहुस्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली और जिला लोकपाल की व्यवस्था भी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिनियम के तहत मजदूरी का भुगतान हर सप्ताह करना अनिवार्य होगा और दो सप्ताह से अधिक देरी होने पर स्वतः मुआवजा मिलेगा। प्रशासनिक व्यय की सीमा को बढ़ाकर ९ प्रतिशत किया गया है, ताकि पर्याप्त स्टाफ, तकनीकी विशेषज्ञता, प्रशिक्षण और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि टिकाऊ और जवाबदेह वित्तीय मॉडल पर आधारित वीबी-जी राम जी अधिनियम में हर वर्ष के लिए एक स्पष्ट और तय बजट निर्धारित किया जाएगा। मांग के अनुसार काम उपलब्ध कराने की व्यवस्था पहले की तरह बनी रहेगी।

उन्नाव में साइबर अपराध रोकथाम के लिए समाज के सक्रिय जन 'साइबर वॉलंटियर्स' के रूप में मनोनीत

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश उन्नाव समाज के सक्रिय नागरिकों को समिति में मनोनीत करते हुए साइबर वॉलंटियर्स बनाया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह एवं सीओ सिटी दीपक यादव के निर्देश पर सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्रा ने समाज के जागरूक और तकनीकी रूप से दक्ष व्यक्तियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में साइबर अपराधों की रोकथाम, निगरानी और त्वरित सूचना तंत्र को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर सदर कोतवाल चंद्रकांत मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में यह साइबर वॉलंटियर टीम समाज में हो रहे साइबर अपराधों पर नजर रखेगी और समय रहते साइबर सेल को सूचना देकर त्वरित कार्रवाई में सहयोग करेगी, ताकि अपराधों पर नियंत्रण के साथ-साथ दोषियों को दंडित किया जा सके और भविष्य में ऐसे अपराधों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। परिवार परामर्श केंद्र के सलाहकार मंडल प्रभारी डॉ. आशीष श्रीवास्तव एवं सलाहकार डॉ. मनीष सिंह सेंगर ने सभी मनोनीत सदस्यों का परिचय कराते हुए इस अभियान में उनकी अपेक्षित भूमिका और सामाजिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। क्राइम इंस्पेक्टर राजेश यादव ने सभी साइबर वॉलंटियर्स से अपील की कि उनकी सक्रियता जनपद को साइबर अपराध मुक्त बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। साइबर सेल की ओर से महिला आरक्षी सोनिया और आरक्षी कृष्णकांत ने पंजीकरण प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा कार्य से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। उन्होंने कहा कि यदि किसी वॉलंटियर की पहल से कोई व्यक्ति साइबर ठगी से बचता है, तो उसका एक छोटा वीडियो बनाकर ग्रुप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग जागरूक हों और इस अभियान से जुड़ें। इस बैठक में प्रमुख रूप से डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ. मनीष सिंह सेंगर, शिल्पी श्रीवास्तव, डॉ. रूपेश, आलोक अवस्थी, समन आफरीन, अनुराग मोहन कृष्ण, शिवेंद्र सिंह चौहान, भावना शुक्ला, अनिमेष, अजय, विकास और अमरेश सिंह का साइबर वॉलंटियर के रूप में मनोनयन किया गया।

सूरजपुर में पुलिस मुठभेड़: दो शातिर बदमाश गोली लगने से घायल 17 मुकदमों वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले के थाना सूरजपुर क्षेत्र में मंगलवार, ७ जनवरी २०२६ को पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो शातिर अपराधी गोली लगने से घायल हो गए। यह मुठभेड़ उस समय हुई, जब सूरजपुर पुलिस मोजर वियर गोलचक्कर के पास सर्विस रोड पर नियमित वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। पुलिस के अनुसार, चेकिंग के दौरान एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा किए जाने पर दोनों बदमाश बाइक मोड़कर रेलवे लाइन के किनारे-किनारे जंगल की ओर भागने लगे। संदेह होने पर पुलिस ने तत्काल पीछा किया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। घायल बदमाशों की पहचान सिराजुद्दीन उर्फ गुड्डू पुत्र नसीरुद्दीन और मयंक शर्मा पुत्र अवनीश शर्मा के रूप में हुई है। सिराजुद्दीन मूल रूप से बुलंदशहर का निवासी है और वर्तमान में दिल्ली के गोकुलपुरी क्षेत्र में रह रहा था, जबकि मयंक शर्मा हापुड़ जिले का निवासी बताया गया है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से एक अवैध तमंचा (.३१५ बोर), दो जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। इसके अलावा थाना सूरजपुर क्षेत्र के नवादा मंदिर से चोरी की गई २०,७०० रुपये की नकदी, तिलपता गांव से चोरी किया गया वन प्लस मोबाइल फोन, २,१६५ रुपये नकद, एक काला बैग, दो आधार कार्ड और ताला तोड़ने के उपकरण भी बरामद हुए हैं। जिस स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से दोनों बदमाश घूम रहे थे, वह जांच में चोरी की पाई गई है। पुलिस ने दोनों घायल अभियुक्तों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है और उनके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी लंबे समय से चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट जैसे अपराधों में सक्रिय थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, सिराजुद्दीन उर्फ गुड्डू का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा है। उसके खिलाफ गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर के विभिन्न थानों में चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट और धोखाधड़ी सहित १७ से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं मयंक शर्मा के खिलाफ भी चोरी और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मालिक, प्रकाशक व मुद्रक- सुनील कुमार तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट नं. ०४, ग्राउंड फ्लोर. एन.के.इंडस्ट्रीयल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नियर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं ०२, गोरेगांव (पूर्व) मुंबई-४०००६३ से मुद्रित व ६१७, बिल्डिंग नं.१४ नियर शिव शक्ति बिल्डिंग, गोलीबार रोड, सान्ताक्रुज़ (पूर्व) मुंबई-४०००५५ से प्रकाशित। संपादक : सुनील कुमार तिवारी, RNI. NO. MAHMUL/2017/74054, संपादकीय कार्यालय- कंटेश्वर सिंह चाल, अपोजीट एकताड़ मंडल, साईं बाबा रोड, खार (पूर्व), मुंबई- 400051, Mob.8898271111